यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

वर्ष : 31 अंक : 38 | सोमवार | RNI No. 62592/95 | 16 से 22 दिसंबर -2024, मोदीनगर (गाजियाबाद) | पृष्ठः 8 | मूल्य : ₹3 | email: u.p.observer@gmail.com

पेज 08

विधायक मंजू शिवाच ने किया सड़क का किया शिलान्यास

46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली: योगी

संभल में इतना प्राचीन मंदिर, बजरंग बली की प्राचीन मूर्ति व ज्योतिर्लिंग रातों रात नहीं आई, इस मंदिर ने वास्तविकता को सबके सामने रख दिया: मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- बोले-भारत की विरासत के प्रति बोलने वालों को मिलती है धमकी
- परिवार विशेष की बपौती समझने वालों को हो रही परेशानी, किसान के बेटे को उपराष्ट्रपति पद पर देखना नहीं हो रहा हजम-मुख्यमंत्री
- दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे ही संचालित होती है-योगी
- न्यायमूर्ति ने समान नागरिक संहिता की कही बात तो इन लोगों ने दी नोटिस-सीएम

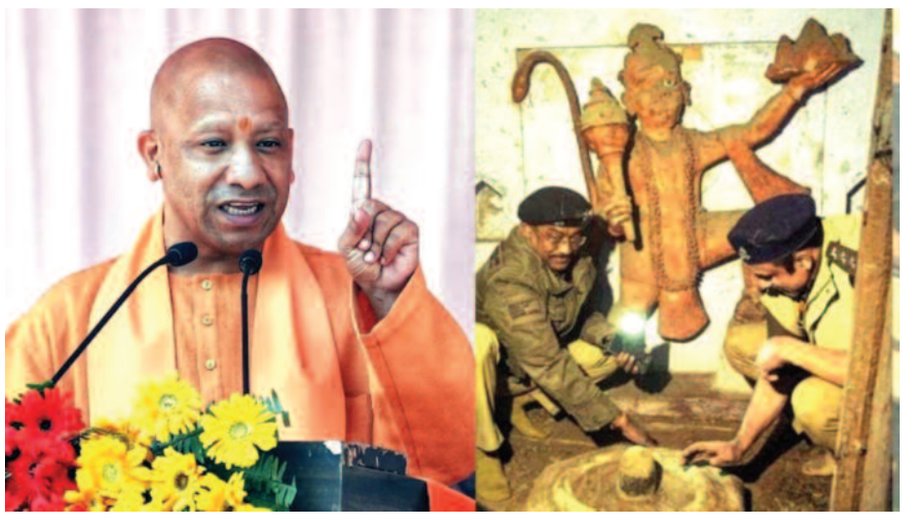

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की नीतियों को आईना दिखाया। शनिवार को मुंबई और रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री इन दलों पर हमलावर रहे। सीएम ने संभल, उपराष्ट्रपति व माननीय न्यायमूर्ति को लेकर विपक्ष के मुद्दों को जनता के समक्ष रखते हुए कहा कि भारत की विरासत के प्रति बोलने वालों को धमकी दी जाती है। सीएम ने सच को दबाने वाले, संविधान का गला घोंटने वाले ऐसे दलों के लोगों की मानसिकता को उजागर करने की अपील की। सीएम ने बेबाकी से कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली।

संभल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया था, वह फिर से सबके सामने आ गया

सीएम योगी ने कहा कि कल संसद में चर्चा संविधान पर हो रही थी और मुद्दा संभल का उठ रहा था। विपक्षियों पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन्हीं के समय में 46 वर्ष पहले संभल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया और इनकी वास्तविकता को प्रस्तुत कर दिया। संभल में इतना प्राचीन मंदिर, बजरंग बली की प्राचीन मूर्ति व ज्योतिर्लिंग रातों रात तो नहीं आया होगा। उन्होंने कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया था, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली। संभल में जिनकी निर्मम हत्या हुई, उन निदोर्षों का क्या कसूर था। जो भी सच बोलेगा, उसे धमकी दी जाएगी, मुंह बंद कराने का प्रयास होगा।

भारत की विरासत के प्रति बोलने वालों को मिलती है धमकी

सीएम ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करते हुए कहा कि जो लोग भारत का ठेका लेकर घूमते हैं और डिस्कवरी ऑफ इंडिया को भारत का सबसे प्राचीन ग्रंथ मानते हैं। वे संविधान के नाम पर पाखंड कर रहे हैं।

9 नवंबर 2019को उच्चतम न्यायालय ने श्रीराम जन्मभूमि से संबंधित फैसला दिया, लेकिन ऐसे लोग आज भी जज को धमकी देते हैं। राज्यसभा के सभापति (उप राष्ट्रपति) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनकी आवाज को दबाना चाहते हैं। सभापति ने कर्तव्यों के निर्वहन की बात की और कहा कि सदन चलना चाहिए। जनता से जुड़े मुद्दे सदन में रखे जाने चाहिए। इस पर इन लोगों (विपक्षियों) ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस दी।

सच को दबाने वाले लोगों को नंगा करना चाहिए

सीएम योगी ने कहा कि उपराष्ट्रपति अपनी योग्यता व क्षमता के बल पर संवैधानिक मयार्दा का पालन करते हुए उच्च सदन का संचालन कर रहे हैं। विरोधियों को चिंता है वे कर्तव्यों का निर्वहन न कर सकें, कि किसान का पुत्र कैसे वहां तक चला गया। यह परिवार विशेष की बपौती हुआ करती थी। न्यायमूर्ति एक नागरिक के रूप में सच्चाई को रखते हैं तो उन्हें धौंस दी जाती है। यह लोग सच बोलने वाले को महाभियोग का धौंस देकर उसके मुंह को बंद करने का प्रयास करेंगे, फिर भी संविधान की दुहाई देंगे। यह दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। सच को दबाने वाले ऐसे लोगों को नंगा करना चाहिए।

माननीय न्यायमूर्ति ने समान नागरिक संहिता की कही बात तो इन लोगों ने दी नोटिस

सीएम योगी ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति ने समान नागरिक संहिता की बात कही। दुनिया में बहुसंख्यक समाज की भावना का सम्मान हर हाल में होता है। भारत में बहुसंख्यक समाज के हितों की चर्चा हुई, सच्चाई बोलना अपराध नहीं है। राज्यसभा में इन लोगों ने माननीय न्यायमूर्ति के खिलाफ महाभियोग की नोटिस दी है। यह खुद को लोकतांत्रिक कहते हैं। संविधान की पुस्तक साथ लेकर चलते हैं, लेकिन इन्हें शर्म नहीं है। यह संविधान का गला घोंटने वाले लोग हैं।

दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे ही संचालित होती है

सीएम योगी ने कहा कि देश में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) होना चाहिए। दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे संचालित होती है। भारत कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए। सब लोगों पर समान कानून लागू होना चाहिए।

बहुसंख्यक समाज कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए, लेकिन यह लोग धौंस दे रहे हैं। संविधान का गला घोंटकर जबरन अपने दम पर देश की व्यवस्था चलाना चाहते हैं। देश तमाशा देख रहा है। अपनी दबंगई से सच को दबाने की कोशिश करने वालों को एक्सपोज किए जाने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति को लेकर सरकार चिंतित: जयशंकर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रही हिंसा भारत के लिए चिंता का विषय है। नई दिल्ली को उम्मीद है कि ढाका उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा। मंत्री ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश में नई सरकार भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी स्थिर संबंध स्थापित करेगी।

जयशंकर ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हिंसात्मक व्यवहार चिंता का विषय रहा है क्योंकि उन पर हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। हमने अपनी चिंताओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है। वहां हिंदुओं पर बहुत हमले हुए हैं। हाल ही में विदेश सचिव ने ढाका का दौरा किया था। यह विषय उनकी बैठकों में भी उठा था। और हम उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा।

मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं का भारत का अच्छा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, "वास्तव में जब हम 'पड़ोस पहले' की नीति की बात करते हैं, तो पाकिस्तान और चीन को छोड़कर लगभग हर पड़ोसी देश में हमने महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं शुरू की हैं और बांग्लादेश के मामले में भी यही स्थिति है।"

उन्होंने सदन को बताया कि भारतीय सुरक्षा बल लद्दाख में डेपसांग में सभी पेट्रोलिंग प्वाइंट तक जाएंगे और पूर्वी सीमा के उस अंतिम छोर तक जाएंगे जो ऐतिहासिक रूप से भारत की पेट्रोलिंग सीमाएं रही हैं। पिछली बार चीन से डेपसांग और डेमचोक को लेकर ही सफल बातचीत हुई थी। चीन से पहले भी सीमा से पीछे हटने संबंधी बातचीत सफलतापूर्वक हुई है। लेकिन तब अस्थाई रूप से यह प्रबंध किए गए थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ अच्छे और आतंक मुक्त संबंध चाहता है। हालांकि, अगर वह अपने पिछले व्यवहार को नहीं बदलता है, तो द्विपक्षीय संबंधों पर इसका असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पाकिस्तान द्वारा लिए गए कुछ फैसलों के कारण व्यापार के संबंधों में रुकावट आई है।

वन नेशन-वन इलेक्शन: क्या 2029 में होंगे एक साथ चुनाव?

नई दिल्ली। संविधान लागू होने के बाद साल 1951-52 में देश में पहली बार चुनाव कराए गए थे। शायद नीति निमार्ताओं को भविष्य की जरूरत पता थी, इसलिए लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ कराए गए थे।

लेकिन 1967 के बाद से परंपरा बिगड़ गई। कहीं राज्य की विधानसभा को भंग करना पड़ा, तो कभी लोकसभा चुनाव ही पहले करा लिए गए। आलम ये हो गया कि अब देश में हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होता ही है।

लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार एक बार फिर इस परंपरा को शुरू करने जा रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो 2029 में पहली बार देश में एक साथ चुनाव होंगे। लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय के चुनावों के लिए देश एक साथ वोट डालने निकलेगा।

लेकिन ये सुनने में जितना आसान लग रहा है, उतना है नहीं। केंद्र सरकार को इसके लिए संविधान में जरूरी संशोधन करने पड़ेंगे और इसके लिए उसे दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके बाद अगर राज्यों की सहमति की जरूरत पड़ी, तो विपक्षी दलों के नेतृत्व वाले राज्य अड़चन पैदा करेंगे।

अब जब चर्चा यहां तक पहुंच गई है कि वन नेशन-वन इलेक्शन को शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जा सकता है, तो इससे जुड़े कुछ अहम बातें जान लेनी जरूरी हैं।

2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली, तब ही वन नेशन-वन इलेक्शन पर उन्होंने चर्चा की शुरूआत कर दी थी। पीएम मोदी ने इसे देश की जरूरत बताया था।

उनका तर्क था कि बार-बार चुनाव होते रहने से देश की प्रगति पर असर पड़ता है। 2015 में लॉ कमीशन ने भी सुझाव दे दिया कि वन नेशन-वन इलेक्शन से करोड़ों रुपयों की बचत हो सकती है।

2019 में नरेंद्र मोदी दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने सभी पार्टियों के साथ विचार-विमर्श के लिए पहली बार औपचारिक बैठक बुलाई। लेकिन कुछ निष्कर्ष नहीं निकल पाया।

2024 में फिर से चुनाव होने थे। लेकिन इससे पहले ही सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर दिया गया। इसमें कोविंद के अलावा, वकील हरीश साल्वे, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, डीपीए पार्टी के नेता गुलाम नबी आजाद और 3 पूर्व अफसर थे।

नगर निगम उप चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां की पूर्ण

गाजियाबाद। पुलिस उपायुक्त नगर राजेश कुमार ने रविवार को आगामी नगर निगम उप चुनाव वार्ड नंबर-19 व 21 के सम्बन्ध में पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में पुलिस फोर्स की ब्रीफिंग की। इस मौके पर डीसीपी सिटी राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी। चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर पुलिस बल तैनात रहेगा और कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव सम्पन्न कराया जायेगा।

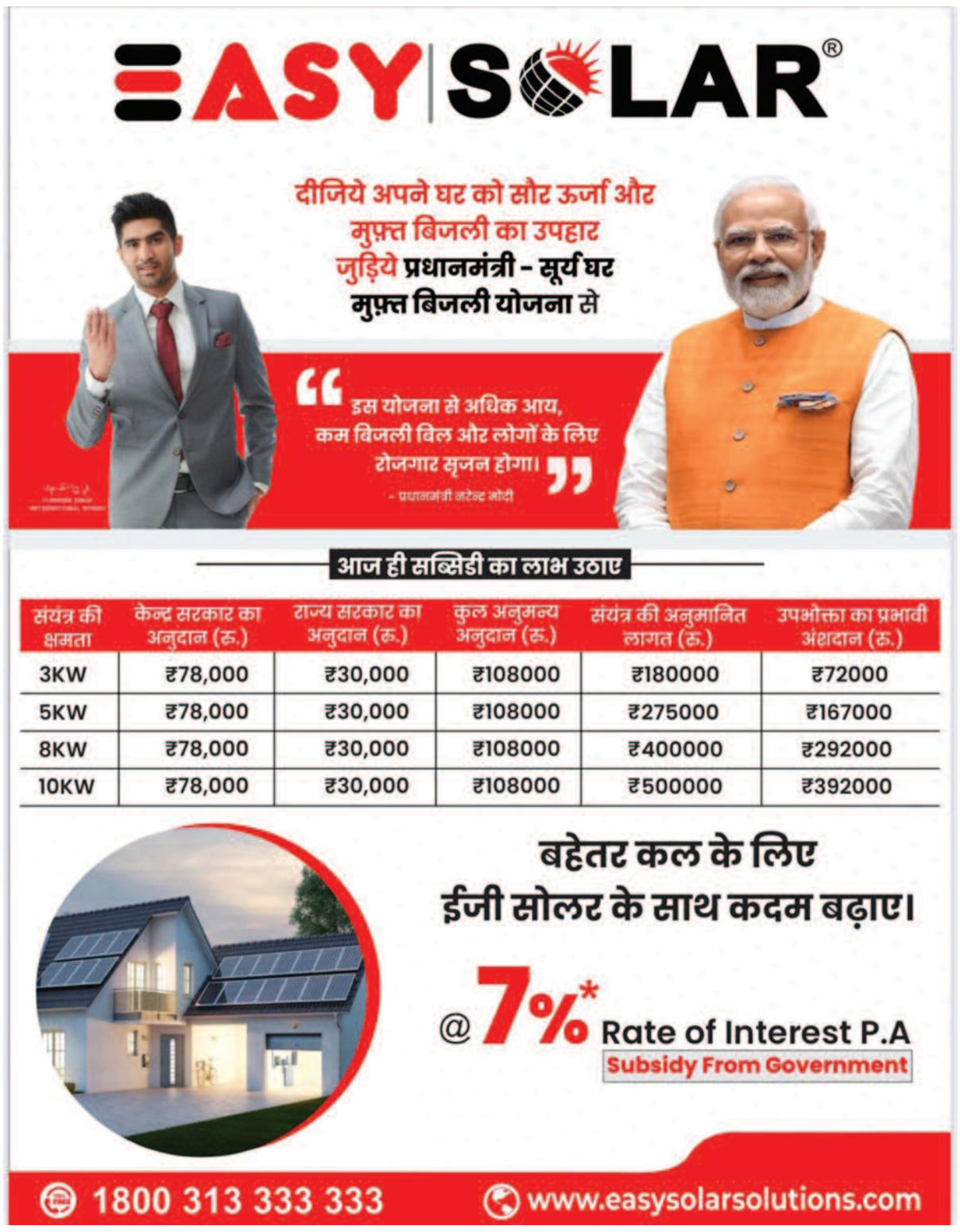

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

लोक अदालत में हजारों वादों का हुआ निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर, गाजियाबाद में अनिल कुमार-दशम जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें परवेन्द्र शर्मा नोडल अधिकारी / विशेष न्यायाधीश सी०बी०आई०, हीरा लाल अपर जिला जज कोर्ट सं०-2, नीरज गौतम विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट / प्रभारी अधिकारी नजारत विभाग एवं कुमार मिताक्षर, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अन्य सम्मानित न्यायिक अधिकारीगणों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के सुलह योग्य/शमनीय 40668 वादों का निस्तारण किया गया। इसमें अर्थदण्ड से दण्डनीय मामलों में अंकन 1,71,35,477/- रुपए अर्थदण्ड आरोपित कर वसूल किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक एवं भरण पोषण सम्बन्धी 80 मामलों का निस्तारण परिवार न्यायालय द्वारा सुलह समझौते के आधार पर हुआ। लघु प्रकृति के मामलों में लेबर एक्ट, वाणिज्य अधिनियम, 26 यू०पी०एक्ट, पुलिस अधिनियम, बाट माप अधिनियम, मोटर वाहन अधिनियम, आबकारी अधिनियम, जिला परिषद अधिनियम आदि से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण किया गया। मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर से सम्बन्धित कुल 76 मामलों का निस्तारण करते हुए पक्षकारान को 35891009/- रुपए अदा किये जाने के आदेश पारित किये गये। आज की राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न बैंकों के लोन रिकवरी/बी.एस.एन.एल. से सम्बन्धित कुल 320 मामलों का निस्तारण किया गया। इसमें 6,31,911/- रुपए की धनराशि वसूली के आदेश पारित किये गये। राजस्व न्यायालयों से प्राप्त सूचना के अनुसार राजस्व सम्बन्धी 121851 मामलों का निस्तारण किया गया। आज आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन में अधिवक्ताओं ने भी पूर्ण सहयोग किया।

दीपावली पर्व पर आकर्षक लाइटों से सजा शहर, नगर आयुक्त ने व्यापारियों तथा टीम को किया पुरस्कृत

जन सहभागिता शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में बहुत जरूरी: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में दीपावली महापर्व पर गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के साथ-साथ शहर को सुंदर लाइटिंग से सजाया भी गया, जिसमें न केवल लाइटिंग पोल पर तिरंगे की लाइट लगाई गई बल्कि मुख्य मार्गों पर नई-नई आकृतियों के लाइट बोर्ड भी लगाए गए।

व्यापारियों द्वारा भी निगम का सहयोग करते हुए बाजारों को सुंदर स्वच्छ और आकर्षक लाइटों से प्रकाशित बनाया गया जिसके लिए नगर निगम द्वारा सर्वोच्च बाजारों को चिन्हित करते हुए उनको पुरस्कृत किया गया नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा सभी संबंधित को प्रशस्ति पत्र दिए गए। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए दीपावली महापर्व पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बाजारों को जोड़ते हुए शहर को स्वच्छ सुंदर के साथ-साथ प्रकाश युक्त बनाया गया।

आयोजित प्रतियोगिता में लगभग गाजियाबाद नगर निगम के 20 व्यापार मंडलों ने प्रतिभा किया जिसमें से सात सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले व्यापार मंडलों को पुरस्कृत किया गया इन बाजारों में प्रकाश व्यवस्था बेहतर पाई गई तथा आवागमन भी सरल रहा नियमित साफ-सफाई का भी व्यापारियों द्वारा ध्यान रखा गया तथा अवैध अतिक्रमण से मुक्त बाजार रहे नगर आयुक्त द्वारा व्यापारियों को गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित दीपावली प्रतियोगिता में सिटी जोन अंतर्गत तुराब नगर व्यापार मंडल से सुभाष छाबड़ा, अंबेडकर रोड व्यापार मंडल से गौरव गर्ग, चोपला दिल्ली गेट व्यापार मंडल से विनय सिंघल, वसुंधरा जोन अंतर्गत वैशाली उद्योग व्यापार मंडल से संजय रस्तोगी व प्रहलाद दुआ, मोहन नगर जोन अंतर्गत साहिबाबाद व्यापार मंडल से प्रवीण भाटी, कवि नगर जोन अंतर्गत शास्त्री नगर व्यापार मंडल से सुधीर सिंह चौधरी विजयनगर जोन अंतर्गत प्रताप विहार व्यापार मंडल से पवन शर्मा को पुरस्कृत किया गया इसके साथ-साथ गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग टीम तथा स्वच्छ भारत मिशन टीम के विशेष सहयोग पर प्रशस्ति पत्र दिए गए। गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा व्यापारियों से निगम का सहयोग लगातार करते रहने की अपील की गई अवैध अतिक्रमण के लिए चल रहे अभियान, पॉलिथीन मुक्त अभियान तथा शहर की स्वच्छता सुंदरता को बनाए रखने हेतु कार्यवाही में विशेष सहयोग देने के लिए अपील की गई, मौके पर प्रकाश प्रभारी कामाख्या प्रसाद आनंद, सह प्रकाश प्रभारी आशकुमार, डॉ अनुज उद्यान प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा प्रकाश विभाग के समस्त निरीक्षक उपस्थित रहे, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम पर व्यापारी वर्ग द्वारा नगर आयुक्त का धन्यवाद किया गया तथा शहर हित में लगातार निगम के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करने के लिए निगम टीम को आश्वासन दिया गया।

मेरठ मंडलायुक्त ने नगर आयुक्त सहित रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को देखा बोलीं गुड

सभी आश्रय स्थलों में नियमित हो फागिंग: मंडलायुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मेरठ मंडलायुक्त द्वारा नगर आयुक्त के साथ गाजियाबाद नगर निगम के आश्रय स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया, कौशांबी ईडीएम मॉल के पास स्थाई रैन बसेरे पहुंच कर संबंधित टीम के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया मौके पर दो निराश्रित आश्रय स्थल में मिले मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार मुख्य अभियंता निर्माण एन के चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रभारी नजारत डॉ अनुज भी उपस्थित रहे। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत निराश्रितों के लिए ठंड से बचाव हेतु आश्रय स्थलों को व्यवस्थित किया गया है जिसमें मंडलायुक्त द्वारा औचक निरीक्षण किया गया, साफ सफाई व्यवस्था सुदृढ़ मिली, महिला तथा पुरुष दोनों के लिए अलग-अलग बने हुए कंपाउंड में निरीक्षण किया गया ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था बिस्तरों की व्यवस्था को देखकर गाजियाबाद नगर निगम की प्रशंसा जाहिर की गई, पेयजल तथा शौचालय की व्यवस्था को भी देखा गया, नियमित सभी आश्रय स्थलों में फागिंग की व्यवस्था को सुचारु करने के लिए निर्देश विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग को दिए गए।

नगर आयुक्त द्वारा आश्रय स्थलों के साथ-साथ अलाव की व्यवस्था के बारे में भी मंडलायुक्त को बताया गया, जिसके क्रम में सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था गाजियाबाद नगर निगम द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति वर्ष भी की जा रही है जिससे रहागिरियों को भी रहता है आश्रय स्थलों पर साफ सफाई तथा अलाव की व्यवस्था को सुचारु किया जा रहा है रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, आश्रय स्थलों में रुकने वालों का रजिस्टर में एंट्री करने पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश जोनल प्रभारी को दिए गए।

प्रतिभा शुक्ला ने किया वन स्टॉप सेंटर यूनिट 1 संजय नगर गाजियाबाद का निरीक्षण

सेंटर पर आने वाली महिलाओं की नियमित काउंसिलिंग की जाएं: प्रतिभा शुक्ला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद गाजियाबाद के वन स्टॉप सेंटर यूनिट 1 संजय नगर गाजियाबाद का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय माननीय मंत्री जी द्वारा सेंटर की कार्यप्रणाली और प्राप्त केसों की समीक्षा की गई।

माननीय मंत्री जी द्वारा सेंटर मैनेजर को निर्देश दिये कि सेंटर पर आने वाली महिलाओं की नियमित काउंसिलिंग किए जाने के निर्देश दिए गए साथ ही पुलिस विभाग का सहयोग लेते हुए महिलाओं को उनके घर में ही आवासित कराया जाए। माननीय मंत्री जी द्वारा निर्देश दिए गए कि जनपद के सभी स्कूलों/विद्यालयों में विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए। निरीक्षण के समय मनोज कुमार जिला प्रोबेशन अधिकारी, सागर श्रीवास्तव संरक्षण अधिकारी, प्रीति मालिक सेंटर मैनेजर व अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

आनंद विहार बस अड्डे से लेकर कौशांबी वैशाली तक चला निगम का अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान

वसुंधरा, विजयनगर तथा कवि नगर में निगम ने खाली कराये मार्ग, 82000 वसूला जुर्माना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम सीमा अंतर्गत सड़कों को खाली करने का कार्य तेजी से चल रहा है जिसमें अवैध रूप से लगे हुए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है।

वसुंधरा जोन अंतर्गत अभियान चलाया गया लगभग 32000 की वसूली की गई आनंद विहार बस अड्डे से लेकर कौशांबी तथा वैशाली में अभियान चलाया गया विजयनगर जोन अंतर्गत जोनल प्रभारी द्वारा मार्गों को खाली कराया गया तथा 20000 की वसूली की गई इसी क्रम में कवि नगर जोन अंतर्गत कलेक्टरेट रोड कचहरी के बाहर अवैध अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया गया 30000 की वसूली की गई।

जोनल प्रभारी की उपस्थिति में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कवि नगर विजयानगर तथा वसुंधरा जोन अंतर्गत अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया 82000 की वसूली हुई।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को गति दी जा रही है जोनल प्रभारी क्षेत्र भ्रमण करते हुए अवैध अतिक्रमण को हटा रहे हैं क्षेत्रीय निवासियों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम का मनोबल बढ़ाते हुए उनका धन्यवाद भी किया जा रहा है।

जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का समयान्तराल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी प्रशासन कार्यालय में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जनसुनवाई की गये। जनसुनवाई से सम्बंधित प्रकरणों को समयान्ताराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने हेतु अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये। जन सुनवाई के दौरान शिकायतकताओं एवं प्राथियों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, बैंक, पेंशन, घरेलू झगड़ें से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होने शिकायतकताओं को समयावधि देते हुए कहा कि यदि दिये गये समय में शिकायत का निष्पक्ष, स्वतंत्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं होता है तो आप मुझसे दोबारा मिल सकते है, जिससे कि शिकायत का निष्पक्ष, स्वतंत्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा सके। इस मौके पर एडीएम एल/ ए सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने आंगनवाड़ी केंद्र मोरटी में केक काटकर मनाया कन्या जन्मोत्सव

गाजियाबाद। मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद गाजियाबाद के आंगनवाड़ी केंद्र मोरटी में केक काटकर कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय मंत्री जी द्वारा 20 नवजात कन्याओं को सम्मान पत्र बेबीकिट, खिलौने, मिठाई एवं चॉकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मनोज कुमार पुष्कर, जिला प्रोबेशन अधिकारी गाजियाबाद ने महिलाओं को राज्य सरकार द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही आंगनवाड़ी के माध्यम से योजना के अंतर्गत आवेदन कराए जाने हेतु बताया गया। इसी क्रम में माननीय मंत्री जी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र पर नींबू का वृक्षरोपण किया गया तथा उक्त पौधे में प्रतिदिवस पानी दिए जाने ओर उसकी संपूर्ण देखभाल किए जाने का दायित्व आंगनवाड़ी सहायिका को दिया गया।

कार्यक्रम में मनोज कुमार जिला प्रोबेशन अधिकारी, विनीता चंद्र प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती शारदा बाल विकास परियोजना अधिकारी राजपुर, खंड शिक्षा अधिकारी, सागर श्रीवास्तव संरक्षण अधिकारी, लोकेंद्र सिंह विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, प्रीति मालिक सेंटर मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

कक्षा 4 से कक्षा 8 तक के सभी छात्रों की निपुण असेसमेंट परीक्षा (एनएटी) सकुशल सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद के परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 4 से कक्षा 8 तक के सभी छात्रों की निपुण असेसमेंट परीक्षा (एनएटी) का आयोजन किया गया। दो दिवसीय परीक्षा के दूसरे दिन भी परीक्षा शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। निपुण आकलन परीक्षा का यह महापर्व जनपद के सभी 446 परिषदीय विद्यालयों में आयोजित किया गया। इस परीक्षा में बच्चों के हिंदी, गणित, पर्यावरण, विज्ञान और सामाजिक विषय के ज्ञान को परखा गया। परीक्षा में नामांकित 45159 छात्रों में से 43225 छात्रों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा में प्रतिभागी छात्रों की उपस्थिति 95.7 प्रतिशत रही। सर्वाधिक उपस्थित 98.4% ब्लॉक मुरादनगर की रही। सबसे कम नगर क्षेत्र की 93.3% रही।

परीक्षा में ओएमआर शीट पर स्वयं बच्चों द्वारा दिए गए उत्तरों को परख ऐप से शिक्षको द्वारा स्कैन करके राज्य परियोजना कार्यालय को प्रेषित किया गया। तकनीकी और अन्य समस्याओं के समाधान हेतु जनपद स्तर पर और ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, समस्त एसआरजी एवं एआरपी परीक्षा के दौरान विद्यालयों के भ्रमण पर रहे।

जनपद के समस्त ऋणी एवं गैर ऋणी कृषक 31 दिसंबर 2024 तक करा सकते हैं अधिसूचित फसलों का बीमा

गौतमबुद्ध नगर। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि रबी 2024-25 में अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 है, जिसका पोर्टल खुल गया है।

जनपद गौतमबुद्धनगर में एग्रीकल्चर इन्श्योरेन्स कम्पनी ऑफ इण्डिया लि० को वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में अधिकृत किया गया है। जनपद हेतु रबी मौसम में गेहूं की फसलों को अधिसूचित किया गया है। रबी मौसम में अधिसूचित फसलों के अंतर्गत गेहूं फसल की बीमित राशि(बीमित राशि हेक्टेयर में 86500) एवं प्रीमियम(प्रीमियम धनराशि हेक्टेयर में 1.50%) की धनराशि ऋणी/गैर ऋणी कृषक से वसूल की जायेगी।

उन्होंने बताया कि जनपद में समस्त ऋणी एवं गैर ऋणी कृषक रबी मौसम में अधिसूचित फसलों का बीमा 31 दिसंबर 2024 तक करा सकते हैं।

नगर निकाय उपनिर्वाचन वार्ड–19 व वार्ड–21 में प्रयोग होने वाली ईवीएम का किया रेंडमाइजेशन

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट परिसर, एडीएम ई कार्यालय में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में नगर निकाय उपनिर्वाचन वार्ड–19 व वार्ड–21 में प्रयोग होने वाली ईवीएम का प्रत्याशियों/राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचन अधिकारियों की उपस्थिति में रेंडमाइजेशन किया गया। रेंडमाइजेशन के दौरान भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बसपा और आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रतिनिधि/प्रत्याशियों सहित अपर जिलाधिकारी प्रशासन, जिला सूचना अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

19 दिसम्बर को किया जाएगा शैक्षिक भ्रमण

राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा दिए गए निदेशों के क्रम में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एवं पीएम श्री विद्यालयों के बच्चों के एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड से बच्चों को शैक्षिक भ्रमण हेतु लेकर जाना प्रस्तावित है। उक्त के क्रम में कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में एक्सपोजर विजिट संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रतिनिधि मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा प्रतिनिधि मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद को कार्यक्रम के दौरान बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बस के साथ एक महिला एवं एक पुरुष चिकित्सक की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिला श्रम बन्धु की बैठक अपर जिलाधिकारी रणविजय सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न

सभी कार्यदायी संस्थाएं अपने कार्य स्थलों पर कैम्प लगवाकर श्रमिकों का पंजीकरण करायें: रणविजय सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह के निदेर्शानुसार जिला श्रम बन्धु की बैठक अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) श्री रणविजय सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 25.11.24 के अन्तर्गत विकास प्राधिकरण, नगर निगम, नगर पालिका परिषद, लोक निर्माण विभाग आदि विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं तथा क्रेडाई के माध्यम से विभिन्न बिल्डर्स को श्रम विभाग से साथ समन्वय एवं सहयोग करके विभिन्न निर्माण कार्यस्थलों पर कार्यरत निर्माण श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराने एवं पूर्व से पंजीकृत श्रमिकों का नवीनीकरण कराने के निर्देश दिये गये। इस सम्बन्ध में श्री अनुराग मिश्र, उप श्रमायुक्त उ0प्र0 गाजियाबाद क्षेत्र द्वारा बताया गया कि 18 से 60 वर्ष के मध्य के ऐसे निर्माण श्रमिक जिनके द्वारा वर्ष में 90 दिन कार्य किया गया हो अपने निकटतम जनसेवा केन्द्र पर जाकर फोटो, कार्य प्रमाण पत्र आधार कार्ड, बैंक पास बुक व आधार लिंक मोबाइल नम्बर के साथ अपना पंजीकरण या नवीनीकरण कराया जा सकता है। यह कार्य स्वयं के मोबाइल से भी यूपीबीओसीडब्ल्यू डाट इन पर जाकर किया जा सकता है। ऐसे पंजीकृत व नवीनीकृत श्रमिक किसी भी आपदा के समय जीवन निर्वाह भत्ता पाने के हकदार होते है जैसे कि 18 नवम्बर, 24 के पूर्व पंजीकृत व अद्यतन नवीनीकृत जनपद के 45933 श्रमिकों को आपदा राहत के तहत रू0 1000/- प्रति सप्ताह धनराशि प्रदान की गयी व भविष्य में भी ऐसा लाभ पंजीकृत श्रमिकों को दिया जा सकता है। इस सम्बन्ध में जनसेवा केन्द्र के जिला प्रबन्धक के उपस्थित न होने पर अध्यक्ष महोदय द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गयी व क्रेडाई प्रतिनिधियों द्वारा यह बताये जाने पर कि कॉमन सर्विस सेन्टर द्वारा पूर्ण सक्रियता के कार्य नहीं किया जा रहा है।

उन्हें श्रमिकों के पंजीयन में परिश्रम करने के लिए कडे निर्देश दिये गये। कार्यदायी संस्थाओ को भी निर्देशित किया गया कि जनपद में नवम्बर माह में पोर्टल प्रारम्भ होने के बाद अब तक केवल 318 पंजीकरण हुए है जिससे ऐसा स्पष्ट है कि अभी विभिन्न कार्यस्थलों पर अपंजीकृत निर्माण श्रमिक कार्य कर रहे है। सभी कार्यदायी संस्थाएं अपने कार्य स्थलों पर कैम्प लगवाकर पंजीकरण कराया जाना सुनिश्चित करेगें और आगामी मीटिंग में अपने कार्यस्थलवार पंजीकृत सूची के साथ प्रतिभाग करेगें। इसी प्रकार सभी कार्यदायी संस्थाओं को यह भी निर्देश दिये गये कि उनके द्वारा जो भी वर्कआर्डर जारी किये जा रहे है उनका पंजीयन निवेश मित्र पोर्टल पर अनिवार्य रूप से कराया जाये और साथ ही उपकर संग्रह के लिए बनाये गये पोर्टल सीईएसएसयूपीबीओसीडब्ल्यू डॉट इन पर जाकर नियमानुसार निर्माण लागत का एक प्रतिशत अनिवार्य रूप से जमा कराये ऐसा न करके दो प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज और उपकर धनराशि के बराबर ही जुमार्ने से भी दण्डित हो सकते है। सभी कार्यदायी संस्थाएं या भवन निमार्ता उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के इण्डियन बैंक खाता संख्या 50151688127 आईएफ0सी कोड आईडीआईबी000एस608 मे जमा करके श्रम विभाग की अपनी आईडी बनवाकर भी सेस की धनराशि उसमे चढ़वा सकते है। सभी ट्रेड यूनियन से भी अपेक्षा की गयी कि वे श्रमिकों के पंजीयन में अपना सक्रिय योगदान दें। सहायक श्रमायुक्त एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से समस्त विभागों से समन्वय करके उक्त कार्यवाही पूर्ण करायें। बैठक में श्री सौरभ भट्ट अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), श्री अनुराग मिश्र उप श्रमायुक्त, श्री वीरेन्द्र कुमार सहायक श्रमायुक्त, श्री विपिन गिरि प्रेसीडेन्ट क्रेडाई (बिल्डर एसोसिएशन), श्री अमरीष कुमार गोयल लघु उद्योग भारती, श्री श्रीनाथ पासवान उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र, श्री वीरेन्द्र कुमार अधिशासी अभियन्ता यू0पी0पी0सी0एल0, श्री एस0पी0मिश्र अधिशासी अभियन्ता नगर निगम, श्री महेन्द्र कुमार सिंह मुख्य अभियन्ता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, श्री कृष्ण कान्त मिश्र अधिशासी अधिकारी लोनी, श्रीमती पुष्पलता जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, श्री राजेन्द्र कुमार अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ, श्री अनिल कुमार गिरि क्षेत्रीय महामंत्री हिन्द मजदूर सभा, श्री श्रीकृष्ण कुमार कोषाध्यक्ष सीटू से उपस्थित रहें।

अक्षय वट पर शीश नवाकर पीएम मोदी ने मांगा जनकल्याण का वरदान

अक्षय वट पर पूजा-अर्चना के साथ ही पीएम मोदी ने की परिक्रमा, कॉरिडोर को लेकर हुए कार्यों को भी निहारा

- तीर्थराज प्रयाग में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए यजमान बने पीएम मोदी ने अक्षय वट के समक्ष सभी तीर्थों का किया आह्वान
- अक्षय वट को माना जाता है भगवान वेणी माधव का साक्षात स्वरूप, पीएम मोदी ने संकल्प लेकर दीपक किया अर्पित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन, वैश्विक कल्याण, विश्व शांति, भारत के अरुणोदय व तीर्थराज प्रयागराज आकर पुण्य की डुबकी लगाने वाले करोड़ों भक्तों, सनातन शक्तियों के सामर्थ्य व अक्षय पुण्य की वृद्धि के उद्देश्य से पीएम मोदी ने शुक्रवार को अक्षयवट का दर्शन कर पूजन-अर्चन किया।

संगम नोज पर यजमान की भूमिका में संगम अभिषेक करने के उपरांत उन्होंने अक्षय वट के दर्शन किए।

अक्षय वट पर भी महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए बतौर यजमान भूमिका निभाते हुए पीएम मोदी ने अक्षय वट पर शीश नवाया, संकल्प लेकर अभिषेक किया और समस्त तीर्थों का आवाहन करते हुए सकल मंगलकामनाओं की पूर्ति के लिए आस्था का दीप जलाया।

अक्षय वट पर की भारत के अक्षय पुण्य की कामना

अक्षय वट को तीर्थराज प्रयागराज के रक्षक श्रीहरि विष्णु के वेणी माधव का साक्षात स्वरूप माना जाता है। उल्लेखनीय है कि अक्षय वट को कॉरीडोर रूप में महाकुम्भ-2025 के पूर्व सुव्यवस्थित करने का कार्य पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वयन में किया गया है। ऐसे में, शुक्रवार को पीएम मोदी ने इसके उपरांत उन्होंने अक्षय वट की प्रदक्षिणा की और समस्त विश्व के कल्याण की कामना की।

पीएम मोदी ने न केवल इस परम पावन तीर्थ पर पूजा-अर्चना की, बल्कि कॉरीडोर को लेकर हुए कार्यों का आवलोकन भी किया। उन्होंने विशेषतौर पर महाकुम्भ के अवसर पर यहां दर्शन करने आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने को लेकर हुए प्रयासों की जानकारी ली और समस्त प्रक्रियाओं की विवेचना की।

प्रभु श्रीराम, माता जानकी व लक्ष्मण सहित ब्रह्मा, विष्णु महेश का होता है पूजन-अर्चन

अक्षय वट को लेकर ऐसी मान्यता है कि इसकी जड़ों में सृष्टि निमार्ता ब्रह्मा, मध्य भाग में वेणी माधव स्वरूप श्रीहरि विष्णु तथा अग्र भाग में महादेव शिव-शंकर का वास है। इनकी पूजा के साथ ही समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों में कल्पवृक्ष के अंश के रूप में भी अक्षय वट की मान्यता है। पुराणों में प्राप्त उल्लेख के अनुसार, सर्व सिद्धि प्रदान करने वाली आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र के तौर पर प्रसिद्ध अक्षय वट ने मुगल काल व अंग्रेजों के शासन में पराभव का दंश झेला, मगर इसके बावजूद वह अक्षुण्ण बना रहा और आज सनातन धर्म के ध्वजवाहक के तौर पर सकल विश्व में अपनी पहचान को पुख्ता कर रहा है। अक्षय वट के बारे में यह भी प्रसिद्ध है कि प्रभु श्रीराम लंका विजय के उपरांत अयोध्या लौटने से पूर्व पुष्पक विमान से आते हुए अक्षय वट के दर्शन किए थे। उनके साथ माता सीता और भ्राता लक्ष्मण भी थे और अक्षय वट पर इन तीनों के ही विग्रह का पूजन होता है। पीएम मोदी के साथ ही अक्षय वट पूजन-अर्चन प्रक्रिया में सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने संगम नोज में कुम्भ कलश का किया कुम्भाभिषेक

रत्न जड़ित, अष्टधातु से बना विशिष्ट कुम्भ कलश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ के आयोजन से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। इस दौरान पीएम मोदी ने कुम्भ कलश का भी कुम्भाभिषेक किया। यह कुम्भ कलश रत्नजड़ित है और अष्टधातु का बना हुआ है।

संतों ने दिया आशीर्वाद, बोले- महाकुंभ दिव्य और भव्य होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिवेणी पूजन से पहले साधु संतो से भी मुलाकात की। सभी 13 अखाड़ों से दो-दो प्रतिनिधि संगम नोज में आमंत्रित किए गए। इसके अलावा दंडी बाड़ा, आचार्य बाड़ा और खाक चौक व्यवस्था समिति से भी दो दो संत शामिल हुए। श्री पंचायती अखाड़ा महा निवार्णी की तरफ से पीएम से मुलाकात के कार्यक्रम में शामिल हुए सचिव महंत जमुना पुरी का कहना है कि त्रिवेणी पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी अखाड़े के साधु संतों से मुलाकात की। सबके हाल समाचार पूछे। कुशल क्षेम पूछने के बाद राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने खुद ही सभी संतो का परिचय कराया।

कार्यकम में शामिल हुए श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के सचिव आचार्य देवेंद्र सिंह शास्त्री का कहना है कि प्रधानमंत्री ने संतों से मुलाकात कर कहा कि सभी आशीर्वाद दीजिए कि मेला दिव्य और भव्य हो। संतो ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

पीएम के पास भेजा जाएगा कुम्भ कलश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाकुम्भ नगर पहुंचे। इस दौरान त्रिवेणी पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुम्भ कलश का कुम्भाभिषेक भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस कुम्भ कलश की पूजा की, वह रत्न जड़ित है। गंगा पूजन कराने आए तीर्थ पुरोहित दीपू तिवारी ने बताया कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मोतियों से सजे इस अष्टधातु से निर्मित इस कुम्भ कलश को अमृत रूपी कलश बनाने के लिए इसमें आम का पत्ता और नारियल भी रखा है। इसके साथ ही इसमें गऊशाला, तीर्थस्थलों की मिट्टी रखी गई। इसमें गंगाजल, पंचरत्न, दुर्बा, सुपारी, हल्दी रखी भी रखी गई। पीएम के पास इस कुम्भ कलश को भेजा जा रहा है।

- संत बोले पीएम और सीएम खुद संतो का आशीष लेने महाकुम्भ आए, महाकुम्भ दिव्य और भव्य होना तय

सीएम योगी ने दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की सुनी पुकार, भर्ती पर लगी रोक हटी

नियुक्ति को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बनी बहुस्तरीय जांच प्रक्रिया का निर्धारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने स्थाई रूप दिव्यांग होमगार्डों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक बार फिर अपने फैसलों से यह साबित किया है कि वह जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देती है। हाल ही में सरकार ने स्थायी रूप से दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगी रोक को हटाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। योगी सरकार के इस निर्णय से उन दिव्यांग हो चुके परिवारों में उम्मीद की किरण जागी है, जो लंबे समय से नियुक्ति के लिए गुहार लगा रहे थे।

अपने सेवाकाल में स्थाई रूप से दिव्यांग हो चुके होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए योगी सरकार ने एक स्पष्ट और बहुस्तरीय जांच प्रक्रिया का निर्धारण किया है। अब नियुक्ति के लिए जिलास्तर से लेकर डीजी होमगार्ड कार्यालय तक कई चरणों में जांच और सिफारिशें की जाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के होमगार्ड विभाग ने आवेदन का सही और निष्पक्ष तरीके से परीक्षण के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके लिए पात्र आश्रितों की जांच और नियुक्ति के लिए चार चरणों पर काम करेगा। इसके प्रथम चरण में आवेदन की जांच जिलास्तरीय सीएमओ समिति द्वारा की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में जिलास्तरीय समिति द्वारा संस्तुति मिलने पर, जिला कमांडेंट इसे डीजी होमगार्ड के पास भेजेंगे। तृतीय चरण में मुख्यालय स्तर पर गठित समिति होगी जो चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे, सभी तथ्यों की गहन जांच करेगी। इसके बाद फिर अंतिम चरण में डीजी होमगार्ड समिति की सिफारिशों के आधार पर नियुक्ति का अंतिम निर्णय लेंगे।

मानवता और न्याय के समन्वय के साथ आगे बढ़ रही योगी सरकार

योगी सरकार का यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। होमगार्ड, जो समाज की सुरक्षा और सेवा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, उनके परिवारों के प्रति यह संवेदनशीलता सरकार के मानवीय दृष्टिकोण को उजागर करती है। यह निर्णय उन परिवारों के लिए राहत लेकर आया है, जो अपने प्रियजन के दिव्यांग होने के बाद आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे थे।

सीएम योगी ने लंबित मामलों का लिया संज्ञान

पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगे प्रतिबंध के कारण लगभग 250 से अधिक मामले लंबित हो गए थे। यह परिवार लगातार अनिश्चितता और आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। लेकिन अब, योगी सरकार के इस कदम के बाद इन लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का रास्ता साफ हो गया है। बता दें कि 2022 में सामने आए अपात्र उम्मीदवारों की भर्ती और अनुग्रह राशि के दुरुपयोग के मामलों ने सरकार को इस नीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया था। लेकिन योगी सरकार ने इन घटनाओं को सुधार का अवसर बनाया। अब नई प्रक्रिया में हर स्तर पर जांच और निगरानी को मजबूत किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की भूमिका को भी बढ़ाया गया है, जिससे चिकित्सा जांच में कोई त्रुटि न हो इसके लिए प्रतिष्ठित संस्थानों को जांच प्रक्रिया में शामिल किया गया है, ताकि पात्रता का सही आकलन हो सके। साथ ही, जिम्मेदार समितियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि हर नियुक्ति पूर्ण सत्यापन के बाद ही हो।

वैदिक मंत्रों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया संगम अभिषेक

त्रिवेणी संगम में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र अर्पित कर पीएम मोदी ने की महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरा पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। पीएम मोदी ने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया।

तीर्थ पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए। इससे पूर्व पीएम मोदी ने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। इस अवसर पर पीएम के साथ सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं।

निषादराज क्रूज से संगम तट पर पहुंचे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निषादराज क्रूज पर सवार होकर संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वो क्रूज पर सवार हुए। व्हाइट कुर्ता-पजामा, ब्लू जैकेट, मैरून कलर की शॉल पहने पीएम मोदी ने क्रूज पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम-घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद रिवर क्रूज पर विहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एक बार फिर उनका स्वागत किया।

इसके बाद पीएम मोदी ने साधु संतों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की।

संगम की उतारी आरती, किया दुग्धाभिषेक

यहां से पीएम सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे। यहां उपस्थित तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आसन ग्रहण कराया।

पीएम के अगल-बगल में सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी आसन ग्रहण किया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने उनसे आचमन भी कराया।

पीएम मोदी ने खड़े होकर त्रिवेणी का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। पीएम मोदी, सीएम योगी और राज्यपाल ने अक्षत, चंदन, रोली और पुष्पमाला के साथ ही त्रिवेणी में वस्त्र भी अर्पित किया।

इसके बाद पीएम ने संगम आरती भी की। अंत में पीएम मोदी ने विशेष रूप से सजाए गए प्रांगण में फोटोशूट भी कराया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा दिव्य, भव्य व डिजिटल महाकुम्भ का सपना: योगी आदित्यनाथ

अक्षय वट, बड़े हनुमान मंदिर, सरस्वती कूप, भारद्वाज आश्रम व श्रृंगवेरपुर कॉरिडोर समेत 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं के लोकार्पण पर सीएम ने जताया आभार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भनगर। ठीक एक महीने बाद विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन, मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तथा सनातन के महापर्व महाकुम्भ-2025 का शुभारंभ होने जा रहा है। ऐसे में, शुक्रवार को सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन तथा उनके द्वारा 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं के लोकार्पण के प्रति आभार जताते हुए प्रयागराज, प्रदेश व महाकुम्भ में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की ओर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आगमन मां गंगा-यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा-अनुष्ठान के साथ ही प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-2025 की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के अंदर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है। सीएम योगी ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों से होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुम्भ 2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयास और सनातन धर्मावलंबियों के हितों की रक्षा के साथ ही कुम्भ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार जताया।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुम्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैंकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं को अक्षय वट के दर्शन हुए थे। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अक्षयवट कॉरिडोर का भी उद्घाटन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े हनुमान जी जिनका अभिषेक करने के लिए मां गंगा प्रतिवर्ष आती हैं, उस बड़े हनुमान मंदिर के कॉरीडोर का लोकार्पण भी आज प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों द्वारा होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरस्वती कूप, जिसमें अदृष्य रूप में मां सरस्वती वास करती हैं और संगम पर गंगा-यमुना के साथ ही उनका संगम होता है, पहली बार 2019 के कुम्भ में ही श्रद्धालुओं को इस प्रवित्र सरस्वती कूप के दर्शन सुलभ हुए थे। सरस्वती कूप का यही भव्य रूप अब सरस्वती कॉरीडोर के रूप में लोकार्पण के जरिए सबके समक्ष होगा, सर्व सुलभ होगा। भगवान राम जब वनवास के लिए निकले थे तो सबसे पहले उन्होंने मैत्री का हाथ श्रृंगवेरपुर में निषादराज के समक्ष बढ़ाया था। सीएम योगी ने कहा, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां भगवान राम और निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा व कॉरीडोर का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा होने जा रहा है।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, खादी व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, मत्स्यपालन मंत्री संजय निषाद, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह व अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

सीएम योगी बोले, प्रभु श्रीराम के संकल्प की पावन धरती नए स्वरूप में है सबके सामने

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के सबसे पहले गुरुकुलों में सम्मिलित तथा जिस आश्रम में रहकर भगवान राम ने आशीर्वाद प्राप्त करके ह्यनिसिचर हीन करउँ महि भुज उठाइ प्रन कीन्हह्ल यानी भूमि को राक्षसहीन करने का संकल्प लिया था, ऐसे महर्षि भारद्वाज के आश्रम के कॉरीडोर का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया जा रहा है। कुम्भ कैसे होना चाहिए, कुम्भ भव्य भी हो, दिव्य भी हो, स्वच्छ भी हो, सुरक्षित भी हो, सुव्यवस्थित भी हो यह परिकल्पना प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 कुम्भ में दी। इस बार महाकुम्भ भव्य-दिव्य व डिजिटल महाकुम्भ के रूप में कैसे होना है यह भी प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा है।

महाकुम्भनगर का सपना हो रहा साकार

सीएम योगी के अनुसार, प्रयागराज शहर, आसपास के जनपदों और दुनिया के सबसे बड़े अस्थायी शहर के तौर पर साकार हो रहा महाकुम्भनगर भी उनकी ही प्रेरणा का द्योतक है। प्रयागराज महाकुम्भ 2025 के शुभारंभ की दृष्टि से हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश वासियों की ओर से, उस हर श्रद्धालु की ओर से जो प्रयागराज आकर अभिभूत होता है, ऐसे प्रत्येक श्रद्धालुजन की ओर से आभार व्यक्त करता हूं। सीएम योगी ने इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफलता की ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए तथा प्रयागराज महाकुम्भ में स्वयंसेवक के तौर पर कार्य करने वाली टीम समेत समूचे प्रयागराज व उत्तर प्रदेश की जनता का आह्वान करते हुए एक महीने उपरांत शुरू हो रहे महाकुम्भ की सफलता को लेकर दृढ़ विश्वास जताया।

सम्पादकीय

हर्ष फायरिंग के नाम पर हो रही दुर्घटनाएं

भारतीय समाज में विवाह समारोह के दौरान दिखावे की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ती गई है कि अब उसमें हिंसक प्रवृत्तियों का भी खुल कर प्रदर्शन किया जाने लगा है। शादी-ब्याह के मौके पर बंदूक और राइफल से गोली दाग कर खुशी का इजहार करने का यह कौन-सा तरीका है जिसमें किसी बेकसूर की जान चली जाए। सवाल है कि विवाह के अवसर पर हथियार लेकर चलने की परंपरा के पीछे कौन-सी मानसिकता काम करती है। इस बात को किसी तर्क पर ठीक माना जा सकता है कि कोई व्यक्ति कानून के दायरे में अपनी आत्मरक्षा का हवाला देकर कोई हथियार रखता है। मगर लोग खुशी का इजहार करने के नाम पर भी गोलियां दाग रहे हैं और उससे कई बार विवाह समारोह में ही मातम पसर जाता है तो उससे किसको खुशी मिल सकती है? दिक्कत यह है कि गोलीबारी में वधू या वर पक्ष के करीबी लोगों के शामिल होने के कारण कई बार मामले को कानूनी अंजाम तक नहीं पहुंचने दिया जाता है। लाइसेंसी हथियार सिर्फ आत्मरक्षा की कानूनी परिभाषा के तहत रखने की छूट है, लेकिन आज यह दिखावे का औजार बनता जा रहा है। कई लोग शान बघारने या दबंगई दिखाने के लिए ऐसे मौके पर हथियार लेकर आते हैं। जबकि अकारण हवा में गोली चलाना अपराध है और इसके लिए सजा भी हो सकती है। गौरतलब है कि हरियाणा के चरखी दादरी में एक विवाह समारोह में जश्न के नाम पर किसी ने गोलियां दागीं, जिसकी चपेट में आकर तेरह साल की एक बच्ची की मौत हो गई और उसकी मां जख्मी हो गई। यह कोई पहली घटना नहीं है। लुधियाना में पिछले महीने विदाई के वक्त भाई की चलाई गोली दुल्हन के माथे में जा लगी थी। इसी तरह हाल में मथुरा में जयमाला के दौरान करीबी रिश्तेदार की ऐसी ही लापरवाही के कारण दुल्हन को गोली लग गई। देश के कई इलाकों में खुशी मौके पर हवा में गोलियां चलाना शान का प्रदर्शन माना जाता रहा है, लेकिन इसके पीछे कहीं न कहीं लोगों के भीतर छिपी सामंती कुंठा होती है। शादी-ब्याह में रिश्तेदार ही दिखावे के लिए गोलियां दागने लगें, तो समझा जा सकता है कि हमारे समाज में यह कुंठा कितनी गहरी हो चुकी है। दिखावे की हिंसा की ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

> लाइसेंसी हथियार सिर्फ आत्मरक्षा की कानूनी परिभाषा के तहत रखने की छूट है, लेकिन आज यह दिखावे का औजार बनता जा रहा है। कई लोग शान बघारने या दबंगई दिखाने के लिए ऐसे मौके पर हथियार लेकर आते हैं।

बिखराव की ओर जाता विपक्षी गठबंधन

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे आईएनडीआईए में मची उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर ही शायद नीतीश कुमार ने उससे किनारा किया था। यह एक तथ्य है कि नीतीश कुमार ही आईएनडीआईए के निमार्ता-निर्देशक थे। उन्होंने इस गठजोड़ की पहल हिसार में 25 सितंबर 2022 को की थी। हिसार में चौधरी देवीलाल की जन्म-जयंती के अवसर पर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, सीताराम येचुरी, डी. राजा और ओमप्रकाश चौटाला आदि उपस्थित थे। उस समय विपक्षी दलों की दशा-दिशा कमोबेश वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से मेल खाती थी। टीएमसी, सपा, आम आदमी पार्टी समेत कई दल कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को आवश्यक मानते थे। उन्होंने कांग्रेस के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प को नकार कर उसकी स्वीकार्यता पर जोर दिया। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ सोनिया और राहुल गांधी से भेंट कर अपनी मुहिम को अंजाम तक पहुंचाया। जब छह महीने गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व रहस्यमय चुप्पी साधे रहा तो अंततः नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पृश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। पटना में प्रधानमंत्री पद के लिए किसी पार्टी के नेता को मनोनीत करने के बजाय सामूहिक नेतृत्व में कार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। नीतीश कुमार पीएम पद के लिए पहली पसंद थे, लेकिन वह कहीं गठबंधन के संयोजक न बन जाएं, इस भय से ग्रस्त कांग्रेस ने बेंगलुरु और मुंबई की बैठकों की पहल अपने हाथों में ले ली और फिर दिल्ली में ममता बनर्जी की ओर से नीतीश कुमार के संयोजक बनने पर सवाल उठाकर विपक्षी एकता को विफल किया। जब गठबंधन को सक्रिय करने के लिए कोई कदम नहीं उठे तो नीतीश कुमार उससे बाहर आ गए। एनडीए से इतर उनके द्वारा किया गया एक और प्रयोग असफल रहा था। यह प्रयोग 2015 के विधानसभा चुनाव के अवसर पर किया गया, जिसमें जदयू, राजद, सपा, जनता दल (एस) आदि की एकता कराकर कारगर विपक्ष बनाने का था। नए दल का नाम, नेता का चयन और चुनाव चिह्न आदि पर सर्वानुमति बन चुकी थी और यह तय हो गया था कि मुलायम सिंह यादव की अध्यक्षता में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरा जाएगा, लेकिन ऐन चुनाव के मौके पर सपा ने स्वयं को अलग कर लिया। अविश्वास, वैचारिक अंतर्विरोध एवं गला काट प्रतिस्पर्धा के चलते आईएनडीआईए की हालत पहले से भी खराब है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस को असफल मानकर गठबंधन के नेतृत्व के लिए स्वयं को उपयुक्त माना है। सपा, एनसीपी, आप और राजद ने भी उनके नेतृत्व को स्वीकार्य माना है। वामपंथी दलों का ममता विरोध जगजाहिर है। बंगाल में वाम मोर्चा और कांग्रेस में घमासान जारी है। यहां इसका उल्लेख आवश्यक है कि सपा, राजद, एनसीपी, शिवसेना-यूबीटी, द्रमुक, टीएमसी, वाईएसआर कांग्रेस, जेडीयू, आप और यहां तक कि वाम दलों को प्राप्त हुआ जनाधार कांग्रेस पार्टी से छीना हुआ है। भाजपा एकमात्र दल है जो अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं क्षेत्र बनाने में सफल रही है। विपक्षी गठबंधन के बीच ताजा विवाद उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में अधिक है। पिछले लोकसभा चुनाव में पिता मुलायम सिंह से भी अधिक सीटें प्राप्त कर अखिलेश यादव का जोश सातवें आसमान पर है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस द्वारा उपेक्षित होकर वह पिता के पदचिह्नों पर चलते दिख रहे हैं, जो इस पक्ष में कभी नहीं रहे कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में फले-फूले। यह मुलायम सिंह ही थे, जिन्होंने 1999 में सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया था। प्रारंभिक दिनों में लालू-नीतीश की जोड़ी ने भी बिहार में कांग्रेस को हाशिए पर पहुंचाने में कामयाबी हासिल की। बाद में लालू के लिए कांग्रेस अनिवार्य हो गई। आईएनडीआईए में खींचतान के बीच रामगोपाल यादव का यह वक्तव्य महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी गठबंधन के नेता नहीं हैं। संसद में भी सपा और कांग्रेस की राहें जुदा दिखती हैं। सपा और टीएमसी को अदाणी प्रकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण संभल की घटना दिखती है। कांग्रेस द्वारा स्वयं को सेक्युलर एवं सामाजिक न्याय की एकमात्र पार्टी प्रचारित करना भी सपा, राजद सरीखी पार्टियों को अखर रहा है।

> नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को आवश्यक मानते थे। उन्होंने कांग्रेस के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प को नकार कर उसकी स्वीकार्यता पर जोर दिया।

हिंदुओं की अनदेखी करने वाले नेताओं को बदलनी होगी अपनी सोच

बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्ध सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को जलाया व मारा जा रहा है। उनकी संपत्तियां लूटी जा रही हैं। माताओं व बहनों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। मंजर ऐसा है कि किसी की भी रूह कॉप जाये। बांग्लादेश में जो हो रहा है उसके सामने यूपी के संभल में जो कुछ हुआ कोई मायने नहीं रखता है। हाल में बहराइच में हुई हिंसा भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के सामने काफी छोटी नजर आती है। क्योंकि संभल हो या बहराइच की हिंसा दोनों ही को विपक्ष कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर हंगामा खड़ा कर रखा है। संभल और बहराइच पर जितना बवाल गांधी परिवार और अखिलेश यादव मचा रहे हैं उतनी ही चुप्पी वह बांग्लादेश में हिन्दुओं और दलितों के साथ हो रहे खून खराबे को लेकर साधे हुए हैं। अखिलेश के पीडीए में पिछड़ा-दलित और अल्पसंख्यकों की बात जरूर की जाती है,लेकिन हकीकीत यही है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक के आगे किसी को तरजीह नहीं देते हैं। अखिलेश दलितों और पिछड़ों की बात सिर्फ इस वर्ग के वोटरों को गुमराह करने के लिये करते हैं। इसी तरह से दलितों और पिछड़ों को इंसाफ दिलाने के लिये कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और उनकी टीम जातिगत जनगणना कराये जाने के लिये हाय-तौबा तो करती है,लेकिन उनका भी इससे कोई लेनादेना नहीं है। उनको भी सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक नजर आता है।

दरअसल, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक पर कब्जेदारी के चक्कर में एक-दूसरे के साथ-साथ (इंडिया गठबंधन में शामिल दोनों दल) होते हुए भी सियासी दुश्मन बनते जा रहे हैं। मुस्लिम वोट बैंक की खातिर यूपी में राहुल गांधी सपा प्रमुख की कंधे पर चढ़कर उनकी पीठ में ह्यछुराह्न भोंकने की कोशिश कर रहे हैं तो अखिलेश यादव जिन्होंने भी नेताजी मुलायम सिंह के बाद मुस्लिम वोटरों को अपने जाल में फांस रखा है वह मुस्लिम वोटरों पर अपनी पकड़ कतई ढीली करने को तैयार नहीं है। इसी के चलते यूपी में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की राह जुदा होती जा रही है। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव की बात हो या फिर हाल में सम्पन्न नौ विधान सभा सीटों की, दोनों ही बार अखिलेश ने कांग्रेस के साथ होते हुए भी उससे दूरी बनाये रखी। लोकसभा चुनाव में तो अखिलेश ने गठबंधन का धर्म निभाते हुए कुछ सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ भी दी थीं, लेकिन उप चुनाव में तो कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी। आलम यह है कि जब संभल में हुई हिंसा के बाद राहुल गांधी ने वहां जाने का कार्यक्रम बनाया तो समाजवादी पार्टी के महासचिव और अखिलेश के चचा रामगोपाल यादव इसे राहुल की नौटंकी करार दे दिया। इसको लेकर कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच एक-दूसरे के खिलाफ खूब बयानबाजी हुई, लेकिन रामगोपाल यादव की बात सच थी। इस बात का अहसास जल्द हो भी गया। ऐसा इसलिये था क्योंकि राहुल गांधी और उनकी नई-नई सांसद बहन प्रियंका वाड्रा को जब लोकसभा में संभल के पीड़ितों की आवाज उठाने का मौका मिला तो इन दोनों (राहुल-प्रियंका) के साथ-साथ पूरी कांग्रेस अडानी-अडानी करती रह गई। कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं ने एक भी शब्द संभल हिंसा को लेकर नहीं बोला। बांग्लादेश में हिन्दुओं और खासकर दलितों के खूब खराबे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं की चुप्पी न तो बीजेपी को रास आई न ही बसपा सुप्रीमों मायावती को यह बर्दाश्त हुआ। योगी बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है उससे कुछ ज्यादा ही दुखी हैं। वह राहुल और अखिलेश जैसे नेताओं का नाम लिये बिना सवाल करते हैं ह्लआज कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं। वे ही लोग समाज में झूठ फैला रहे हैं। हैदराबाद के निजाम और उनके रजाकारों की ओर से जब दलितों के गांव जलाए जा रहे थे तब भी वे चुप थें उस दौरान उनका शोषण हो रहा था। तब भी बाबा अंबेडकर ने खुला पत्र लिखा था कि निजाम की रियासत के सभी दलित रियासत को छोड़कर महाराष्ट्र चले जाएं, लेकिन अपना धर्म और मत न बदलें। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यक हिंदुओं की घटती आबादी पर सीएम योगी ने कहा कि साल 1947 में पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की बड़ी तादाद में आबादी रहती थी। बांग्लादेश में साल 1971 तक 22 फीसदी हिंदू रहा करते थे, लेकिन आज उनकी संख्या 6 से 8 फीसदी ही रह गई है। योगी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा, ह्लजो लोग हमेशा दलितों को अपना वोट बैंक बना कर उनका शोषण करते आए हैं, वे आज बांग्लादेश की घटना पर मौन हैं. उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा। वे सच को स्वीकार नहीं कर सकते और न ही सच बोल सकते हैं। सिर्फ संविधान की प्रति दिखाकर ढोंग कर रहे हैं। उन्हें बाबा साहेब के मूल्यों से कोई लेना-देना ही नहीं है। ऐसे ही आरोप बसपा सुप्रीमो मायावती भी लगा रही हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाओं को लेकर विपक्षी दलों को घेरा और पूछा कि मुख्य विपक्ष दल होने के बाद भी कांग्रेस और सपा इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं ? ये दोनों दल सिर्फ मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए सिर्फ संभल हिंसा की बात कर मुस्लिम समाज को लड़वा रही हैं। मायावती ने मांग की कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश के दलितों को भारत लाना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि संसद चल रही है और विपक्षी दल देश और यहां के जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल में हुई हिंसा की आड़ में खासकर सपा और कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोट को रिझाने में लगी हुई हैं। इन्हें बाकी मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल मुस्लिम समाज को भी तुर्क और नॉन तुर्क को आपस में लड़ा रही है, जिससे मुस्लिम समाज को भी सतर्क रहना है। कई दलों के नेता तो बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर चुप्पी साध रहे हैं, इसके अलावा मुस्लिम संगठन भी बांग्लादेश की हिंसा मुखर नजर नहीं आ रहे हैं, इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी नेता शाहनवाज हुसैन देश के मुस्लिम संगठनों को लानत-मलानत भेज रहे हैं। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में जिस तरह अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ जुल्म और ज्यादती हो रही है। उन पर जुल्म की सभी सीमाएं पार कर दी गईं। उस पर भारत सरकार की पूरी नजर है। लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है, धार्मिक स्थल जलाए जा रहे हैं, धर्म गुरुओं को मारा-पीटा जा रहा है, उस पर मुस्लिम संगठनों के लोग चुप हैं।

शाहनवाज ने कहा, अगर फिलिस्तीन या ईरान में मुस्लिमों के साथ कुछ होता है, तो ये लोग प्रदर्शन करते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वे मारे-काटे जा रहे हैं, लेकिन उलेमाओं की जुबान खुल ही नहीं रही है। वह कुछ बोल ही नहीं रहे हैं। पूरी दुनिया में अल्पसंख्यकों को कैसे रखा जाता है, उसके लिए आदर्श देश भारत है। अल्पसंख्यकों के लिए भारत से अच्छा कोई देश नहीं हो सकता।

ग्राउंड जीरो पर बाल कल्याण क्षेत्र में यूनिसेफ की शानदार भूमिका

बाल कल्याण की बात हो या उनके अधिकारों की रक्षा, दोनों में प्रहरी की भूमिका निभाती है ह्ययूनिसेफह्न। इसलिए यूनिसेफ का नाम सुनते ही मन-मस्तिष्क में बच्चे ईद गिर्द घूमने लगते हैं। साथ ही उनकी समस्याओं और सुधारी प्रयासों का जिक्र भी होने लगता है। आज ह्यविश्व यूनिसेफ दिवसह्न है। एक ऐसी संस्था जो संसार के 190 देशों के बेहद दुर्गम स्थानों पर पहुंचकर कर बच्चों के अधिकारों की हिमायत के लिए मजबूती से लड़ती है। बाल कल्याण की सुविधाएं विश्व के प्रत्येक जरूरतमंद, कमजोर और वंचित बच्चों तक पहुंचे, इसलिए लिए यूनिसेफ की टीमें चौबीसों घंटों ग्राउंड जीरो पर तैनात रहती हैं। यूनिसेफ का मतलब होता है ह्यसंयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोषह्न जिसका आरंभ 11 दिसंबर, 1946 को ह्यसंयुक्त राष्ट्र महासभाह्न द्वारा किया गया था। शुरूआती वक्त में संस्थान में मात्र 43 देश शामिल हुए थे, लेकिन कुछ वर्षों बाद ये संख्या 100 पार कर गई। पर, आज इस संस्था में 190 मुल्क जुड़े हैं। संख्या में धीरे-धीरे इजाफा हो रहा है। यूनिसेफ के 5 लाख प्रतिनिधि इस समय पूरे संसार में कार्यरत हैं। वहीं, भारत में 18 हजार के करीब वर्कर दुर्गम स्थानों पर बाल कल्याण के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बाल तस्करी की रोकथाम में इनकी अगल से टीमें कार्य करती हैं। हिंदुस्तान में रोजाना करीब 69,000 बच्चे पैदा होते हैं। उन सभी नौनिहालों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण में यूनिसेफ इंडिया बेहतरीन कदम उठाने को संकल्पित होता है। मौजूदा समय में यूनिसेफ की टीमें युद्धग्रस्त यूक्रेन-रूस, ईरान-इराक, अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में अधिकांश जुटी हैं। वहां अभावग्रस्त बच्चों की परवरिश करने के अलावा उनकी शिक्षा-स्वास्थ्य में लगे हैं। वैसे देखा जाए तो, विश्व को यूनिसेफ की कार्यशैली द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तब ज्यादा दिखी, जब इनके योद्धाओं ने बिना अपनी जान की परवाह किए युद्ध से आहत, असहाय, बेघर बच्चों को जरूरती सामानों की आपूर्ति, विभिन्न किस्म की सहायताएं और स्वास्थ्य में सुधार के अभियानों को चलाया। जैसे-जैसे समय बदला, यूनिसेफ ने अपनी कार्यशैली में और बदलाव किए। पहले इनका काम सिर्फ बाल अधिकारों की रक्षा के लिए जाना जाता था। लेकिन उसके बाद बच्चों के बेहतर जीवन को बनाने का भी जिम्मा इन्होंने अपने कंधों पर उठा लिया। फिलहाल वक्त में, यूनिसेफ की टीमें माताओं और नवजात शिशुओं के लिए एचआईवी की रोकथाम और उपचार, पर्याप्त पानी, स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, बाल स्वास्थ्य व पोषण जैसे क्षेत्रों में भी कार्यरत हैं।

भारत के नजरिए से यूनिसेफ को देखें, तो वर्ष-1949 में मात्र तीन सदस्यीय स्टाफ ने हमारे यहां काम आरंभ किया। लेकिन सन-1952 में दिल्ली में अपना एक कार्यालय स्थापित किया। वर्तमान में, समूचे भारत में इनके 16 राज्यों में कार्यालय हैं। जहाँ ये बच्चों के अधिकारों की हिमायत करते हैं। भारत में इनका प्रतिनिधित्व सिंथिया मैककैफ्रे करती हैं जिनकी नियुक्ति अक्टूबर 2022 में हुई थी। भारत सरकार अपने बजट से बड़ी रकम इनको सालाना आंवटित करती है। ताकि हमारे यहां दुगर्म क्षेत्रों में रहने वाले वो बच्चे भी इनके जरिए शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें, जो सरकार की नजरों से छूट जाते हैं। यूनिसेफ का मुख्यालय, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित है। संस्था का उदेश्य संसार भर के बच्चों को सुगम जीवन जीने, उन्हें आगे बढ़ाने और अपनी क्षमता का विकास कराने का अधिकार मुहैया कराना होता है। वर्ष 2021 में भारत में यूनिसेफ की सेवाओं के 75 वर्ष पूरे हुए। तब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूनिसेफ और भारत के सहयोग के साक्षा प्रयासों की सराहना की।

भारतीय हुकूमत भी चाहती है कि प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य चंगा हो, सुरक्षा और खुशहाली मिले, इसके लिए वह कोई कोर-कसर नहीं छोड़ती। यूनिसेफ के लोग इस बात को विभिन्न वैश्विक मंचों पर कई मर्तबा कह भी चुके हैं कि उन्हें भारत सरकार से सदैव भरपूर सहयोग मिला। 2018 में यूनिसेफ ने ह्लएवेरी चाइल्ड अलाइवह्न नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान शुरू किया था जिसके अनुसार प्रत्येक मां और नवजात शिशु के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग और उनकी आपूर्ति करने के लिए प्रयासों का श्रीगणेश करना था। उस अभियान ने जबरदस्त सफलता हासिल की। यूनिसेफ के इस समय 150 देशों में कार्यालय, 34 राष्ट्रीय समितियां हैं जो मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से अपने मिशन को आगे बढ़ाते हैं।

यूनिसेफ को सार्वजनिक क्षेत्र के तीन सबसे बड़े भागीदार संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और विश्व बैंक अधिकांश पैसा देते हैं। बीते दो दशकों में, विश्व भर में बच्चों के जीवित रहने के दर में बहुत अधिक वृद्धि देखी गई। 2016 में दुनियाभर में, अपने 5वें जन्मदिन से पहले मर जाने वाले बच्चों की संख्या आधी होकर 56 लाख तक रह गई। इसके बावजूद, नवजात शिशुओं के लिए प्रगति धीमी रही है।

अक्षरबोधि न होने पर भी पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी ने किया, भगवान राम के दिव्य जीवन का साक्षात वर्णन

भगवान राम की दिव्यता में माता कौशल्या का तप

27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर- सलेमाबाद में, एक विशेष बालक का जन्म हुआ जो बचपन से ही जब भी यह बालक सीधा, श्वासन की मुद्रा में लेट जाता या लिटा दिया जाता, तो उसकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में अक्षर बोध भी न करने वाला ग्रामीण बालक, उसके मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ। कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं क्रमिक रूप से माता कौशल्या का दिव्य और तपस्वी जीवन)

माता कौशल्या द्वारा राष्ट्र अन्न त्याग से चिन्तित राजा दशरथ

जब वह गृह में आ पंहुची,तो राजा को कुछ समय में यह प्रतीत हुआ कि कौशल्या जी अन्न को ग्रहण नही कर रही है। एक समय राजा कौशल्या के कक्ष में पंहुचे और उन्होंने कहा-हे देवी ! मैने यह श्रवण किया हैं कि तुम राष्ट्रीय अन्न को ग्रहण नही कर रही हो? उन्होंने कहा-हां प्रभु ! मै ग्रहण नही कर रही हूं। उन्होंने कहा-क्यों नही कर रही हो? उन्होंने कहा-राष्ट्र का जो अन्न होता है,वह रजोगुण और तमोगुण से सना हुआ होता है,क्योंकि राष्ट्र का अन्न पवित्र नही होता,इसलिए मैं इसको ग्रहण नही कर पाऊंगी। मेरे पूज्यपाद गुरुदेव, जिनको मैने दक्षिणा प्रदान की है,अन्नादि के लिए उन्होने मुझे वार्ता प्रकट कराई थी,कि एक समय में वह अपने कुछ ब्रह्मचारियों सहित महाराजा अश्वपति के यहाँ पंहुचे और उन्होंने महाराजा अश्वपति के राष्ट्र का अन्न ग्रहण नही किया था,क्योंकि राष्ट्र का अन्न रजोगुणी होता है । तो प्रभु ! मेरी भी यह मनोकामना हे,मेरी प्रबल इच्छा है कि मै राष्ट्र के अन्न को ग्रहण करना नही चाहती हूं। कि मेरे गर्भस्थल में जो शिशु पनप रहा है, देवता उसकी रक्षा कर रहे है। तो प्रभु ! मेरी अन्तरात्मा यह कहती है कि प्रभु ! मै राष्ट्र के अन्न को ग्रहण न करूं। राजा ने कहा- हेदेवी ! यह तो अपराध हो जायेगा,क्योंकि राजा के राष्ट्र के अन्न को न ग्रहण करना,यह तो बड़ा अनर्थ है। उन्होंने कहा-प्रभु ! मै तो संकल्पवादी हूं। और संकल्प में ही पवित्रताहोती है। क्योंकि तुम जो राजा हो,वह केवल संकल्पमात्र से हो और प्रभु ! संकल्प ही तुम्हें राष्ट्रीय प्रणाली में ऊर्ध्वा को गमन करा रहा है। इसलिए यह जो ब्रह्माण्ड है,यह सर्वत्र एक प्रकार का,यह संकल्प मात्र कहलाता है तो हे प्रभु ! जब यज्ञमान यज्ञशाला में उपस्थित होता है,तो

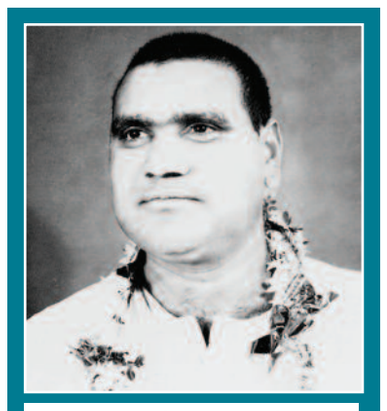

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

वह याग करने का अपने में संकल्प लेता है,देवी से कहता है-हे देवी ! आओ, हम संकल्प करते है कि हम याज्ञिक बनेंगें ,तो वह संकल्प करते है वह अपने दिवस की प्रणाली का उद्घोष करते रहते है तो वे संकल्पमयी है। जब पति और पत्नी का संस्कार होता है, वह संकल्पमात्र से ही जीवन की प्रणाली,जीवन की लीला प्रारम्भ होती है और वही जीवन की आभा शान्त हो जाती है। तो यह क्या है? केवल एक संकल्प मात्र है भगवन ! मेरा,

राजा ने कहा-हे देवी ! मै तुम्हें व्याख्यान के द्वारा परास्त नही कर सकता। मेरी तो एक प्रार्थना है कि तुम अन्न को ग्रहण करो, देवी ने कहा-प्रभु ! मैं अन्न को ग्रहण नही करूंगी,क्योंकि मैने आचार्या को यज्ञ में दक्षिणा दी है और दक्षिणा का हृदय से ही समन्वय रहता है और हृदय से उद्घोष होता है। राजा ने विचारा कि-यह तो मेरे वाक्य को स्वीकार नही करेगी। मै आज महात्मा वशिष्ठ और माता अरून्धती के द्वार पर पंहुचूंगा और वे दोनो ही उसको अन्नादि ग्रहण करा सकते है।

राजा दशरथ वशिष्ठ ऋषि आश्रम में

राजा ने सांय काल के समय में उनके आश्रम को प्रस्थान किया, और वह भ्रमण करते हुए महात्मा वशिष्ठ के आश्रम में पंहुचे। वशिष्ठ आश्रम में रात्रि छा गयी थी। माता अरून्धती और महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज की विवेचना हो रही थी, अपने में चर्चा कर रहे थे,वे तपस्वियो की चर्चा करते रहते थे। पति पत्नी वे ही महान बनते है,जो जब रात्रि छा जाती है,चन्द्रमा अपनी सम्पूर्ण कलाओ से युक्त हो जाता है,प्रातः से लेकर के सांय काल को जब पति पत्नी विद्यमान हो,तो उनको महापुरूषों की चर्चा करनी चहिये कि-अमुक तपस्वी कितना महान है और हम कितने निकृष्ट है,अपने में अपने पन को भी विचारना चाहियें।

महर्षि मुनि महाराज और माता अरुन्धती की विचित्र चर्चाए हो रही थी। गृह वही पवित्र होता है,जहाँ पति और पत्नी विराजमान हो करके, रात्रि में प्रकृति को निहारते रहते है,परमात्मा के जगत को निहारते है,जैसे माता अरून्धती और महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज की चर्चाए,वे बुद्धिमता से युक्त होती थी,

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

हास्य-व्यंग्य

चोरी की है, कोई गुनाह तो नहीं

पंडित सुरेश नीरव

जब भी कोई तथाकथित शरीफ जीव किसी चोर को हेय दृष्टि से देखता है या उसकी सार्वजनिक बेइज्जती करता है तो सचमुच मुझे तो बहुत ही बुरा लगता है। सब जानते हैं कि जो अपने ईमानदार होने का ढोंग करते हैं मौका मिलते ही वह खुद चोरी करने से कभी नहीं चूकते। वैसे भी आजकल तो चोरों की आलोचना करना एक तरह से बहुमत का अपमान माना जाता है। ऐसे जघन्य कृत्य को अब सामाजिक समरसता के तानेबाने को छिन्न -भिन्न करने का घिनौना षड्यंत्र माना जाता है। वैसे भी आज के दौर में चोरी का आरोप कोई ऐसा लाइलाज मर्ज.थोड़े ही रह गया है कि जिससे आदमी आजन्म पीड़ित रहे। अब तो बाजार में ऐसे-ऐसे राजनीतिक रसायन सहजता से उपलब्ध हैं जिसका सेवन करते ही चोर भी तुरंत साहूकार हो जाता है। इसीलिए समाज भी आश्वस्त रहता है कि आज का चोर जब कल दूध का धुला सिद्ध हो ही जाएगा तो फिर खामखा क्यों किसी से पंगा लिया जाए और चोरी जैसे पुण्य कार्य करने से फालतू में क्यों परहेज किया जाए? चोरी हमारे देश में सदियों से ललित कला में शुमार रही है। कोई माखन चोर है तो कोई किसी का दिल चुराने वाला। चोरी हमारे यहाँ कुटीर उद्योग भी है और भारी उद्योग भी। कोई मंदिर से चप्पल चुराता है तो कोई मोबाइल या लेपटॉप चुरा लेता है तो यह कुटीर उद्योग है और कोई पूरा बहुमत ही चुरा लेता है तो यह चौर्यकला का भारी उद्योग है। जिसकी जैसी हैसियत वैसा उसका काम। खुशी की बात यह है कि अब चोरी धीरे-धीरे संगठित उद्योग का रूपत लेती जारही है। चोरों के सम्मान में तो हमारे यहाँ कई शहरों में चोर गली मिल जाएंगी तो कहीं चोर बाजार पूरी ठसक के साथ न जाने कितने महानगरों की रौनक बढ़ाते रहते हैं। दिल्ली पूरे देश की राजधानी है इसलिए चोरी के मामले में कैसे पीछे रह सकता है। दिल्ली के सब्जी मंडी थाने को तो भारत में सबसे पहली चोरी की एफआईआर दर्ज कराने का गौरव प्राप्त है। दिल्ली चोरी करनेवालों की प्रेरणा स्त्रोत है। यहाँ के हमाम में सभी चोर हैं। यहाँ बबली और बंटी हैं। यहाँ रूप की रानियां चोरनी हैं यहाँ चोरों के राजा हैं। यहाँ बस चोर मचाए शोर है। और चोरों का जोर है। इसलिए बेझिझक चोरी कीजिए। चोरी करना हम सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है।

कहानी-

अपनी अपनी संवेदनाएं

सुनीता माहेश्वरी
नाशिक, महाराष्ट्र

शीत लहर के कारण थ्री टियर में बंद शीशों में से भी ठंडी हवा अन्दर आ रही थी। यात्री ठण्ड से सिकुड़े बैठे थे। गीता ने घड़ी देखी सुबह के सात बजे थे। 'एक घंटे में ट्रेन आगरा स्टेशन पहुँचने वाली थी। गीता को आगरा उतरना था। वह अपने सामान को व्यवस्थित कर रही थी। तभी उसे किसी के कराहने की आवाज सुनाई दी। गीता उठ कर गई तो उसने देखा, साफ-सुथरी, सफेद धोती पहने एक वृद्ध महिला अपने पैरों को पेट से चिपका कर गठरी बनी ट्रेन के फ्लोर पर पड़ी है। ठंड से उसके दाँत किटकिटा रहे थे। उस महिला को देख कर गीता सहम सी गईं गीता चिंता में पड़ गयी।

'आखिर यह कौन है? अकेली इस उम्र में कहाँ जा रही है ? लग तो अच्छे घर की रही है।'

अनेक प्रश्न उसके मन में कुलबुलाने लगे थे। गीता ने उस वृद्ध महिला को अपनी सीट पर लाकर लिटाया फिर उससे पूछा, 'इस उम्र में आप अकेली कहाँ जा रही हैं ?'

महिला ने कहा, 'दिल्ली'

तभी एक चाय वाला आया, 'चाय गरम , गरम चाय' की आवाज सुन गीता ने एक चाय खरीदी और उस वृद्धा को ठीक से बैठा कर चाय पिलाने लगी। गरम चाय पीकर वृद्धा को कुछ आराम मिला।

गीता ने पूछा 'आप ट्रेन में कहाँ से बैठी हैं?

उसने उत्तर दिया

'भोपाल से'

भोपाल में आपका कौन रहता है? गीता ने पुनः पूछा

उधर से कराहती हुई आवाज आई, 'मेरा बड़ा बेटा विनोद रहता है'

और दिल्ली में आपका कौन रहता है? गीत ने पूछा

वह बोली , 'मेरा छोटा बेटा अरुणे'

आपका बेटा आपको ठीक से ट्रेन में बैठाकर क्यों नहीं गया ?

'क्या जानूँ उसने मुझे यह टिकट दिया और गाड़ी में चढ़ाकर चला गया जब टी टी आया तो उसने कहा कि, ये दूसरे की सीट है इसे खाली करना पड़ेगा `आपकी टिकट जनरल डिब्बे की है मैं नीचे लेट गई'

गीता, ओह हद हो गई

'वृद्धा ने कहा, बड़े बेटे विनोद के पास मैं छह महीने रहती हूँ सो वहाँ छह महीने मेरे पूरे हो चुके थे बहू रोज ताने दे रही थी। 'कब तक हमारी छाती पर मूंग दलोगी जाती क्यों नहीं हो` इसलिए बेटे विनोद ने मुझे ट्रेन में बैठा दिया छोटा बेटा दिल्ली में स्टेशन पर लेने आ जाएगा'

कइतनी ठंड पड़ रही है। आपने स्वेटर क्यों नहीं पहना ? गीता ने पूछा

वह बोली, 'मेरा स्वेटर फट गया था बहू ने कहा, माताजी अब आप तो दिल्ली जा रही हो, वहाँ बहुत अच्छे स्वेटर मिल जाएंगें यहाँ तो मंहगे भी हैं। वहीं भैया आपको दिलवा देंगें मैंने बहू का स्वेटर पहन लिया था चलते समय वह उसने उतरवा लिया था'

गीता उस वृद्ध महिला की बातें सुनकर व्यथित हो गई थीं उसे लग रहा था 'आखिर कहाँ मर गई हैं संवेदनाएं अपने भी इतने पराए कैसे हो जाते हैं ?'

आस पास के यात्री भी उनकी बात सुन रहे थे उन्हें स्वार्थी बहू बेटों पर बड़ा क्रोध आ रहा था।

ठंड के कारण उस वृद्धा का शरीर तप रहा था उसे तेज बुखार हो रहा था `गीता उन्हें रेलवे के डॉक्टर को दिखाना चाहती थीं पर उसका स्टेशन आने वाला था उसी दिन उसका टी वी पर इंटरव्यू भी था वह परेशान थी क्या करे ? उसके मन की आवाज उसे वृद्धा की सेवा के लिए गाड़ी से उतरने के लिए रोक रही थी, और मस्तिष्क कह रहा था कि तुम्हारा इंटर व्यू है तुम्हें आगरा उतरना होगा

उसने आसपास की यात्रियों से पूछा, 'किसी के पास बुखार की दवाई है?'

एक व्यक्ति के पास दवाई मिल गई थीं गीता ने उसे नाश्ता करवाया चाय पिलाईं गीता ने अपना शाल उतारा और उस बीमार महिला को उढ़ा दिया

वृद्धा की आँखों में प्रेम और खुशी के आँसू छलकने लगे थें अपने बच्चों के साथ रहकर भी उसे ऐसा प्यार न मिला था` उसने गीता को लाखों आशीष दिऐ

गीता सोच रही थी क्या करूं तभी गीता की बगल वाली सीट पर बैठी महिला ने कहा, 'गीता, आप निश्चिंत होकर आगरा उतर जाना इन माताजी का ध्यान मैं रख लूँगी।

यह सुनकर गीता को शांति मिलीं इतने में स्टेशन आ गया

वह ट्रेन से उतरते हुए अन्य यात्रियों से बोली,

'इस बीमार महिला का प्लीज आप लोग ध्यान रखिऐ इसकी सहायता कीजिये एक सह यात्री ने कहा आप चिंता मत करिए मैं दिल्ली जा रहा हूँ मैं इनका ध्यान रखूँगा ' उस युवक की बात सुनकर गीता को बहुत अच्छा लगा। वह आगरा स्टेशन पर उतर गयी। उसका मन उस महिला की ओर ही था।

ट्रेन मंद गति से चलने लगी थीं उसने ट्रेन में झाँक कर पुनः उस वृद्धा पर दृष्टि डाली कुछ लोग उस वृद्धा की सहायता के लिए आगे आ गये थें गीता को संतुष्टि हुई कि उसकी पहल ने लोगों के दिल में संवेदना जगा दी थी।

भावचित्र-

रंगरेजा है वो, रंगरेजा, अली मौला है वो रंगरेजा

प्रज्ञा माया शर्मा
गुवाहाटी, असम

अपने को तलाशने और तराशने की ज़िद श्वेताजी के भीतर मन में निरंतर जारी है। तभी तो अपने आप से जुड़ने के लिए,अपने आपको जानने के लिए उमाजी साल में एक बार पहाड़ों या गुफाओं में जाकर मौन होकर अपने आप में उतरने का प्रयास करती हैं।

एक दिन फेसबुक पर स्क्रोल करते हुए यह गीत कानों में पड़ते ही जैसे ठहर-सी गई मैं।और वह फेसबुक लाइव मैंने पूरा देखा जो अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के पटल पर चल रहा था। यह मेरी पहली ऑनलाइन मुलाकात थी श्वेता सिंह उमाजी से, जिनकी रचनाओं ने मेरे मन को गहराई तक छू लिया। उनका काव्यात्मक सृजन, शब्दों का चुनाव, रचनाओं के भाव और उससे भी बढ़कर एक ठहराव और आत्मविश्वास से परिपूर्ण उनकी शानदार प्रस्तुति। फिर शुरू हुआ उमाजी के काव्य पाठों से जुड़ने का सिलसिला। जिस भी पटल पर इनका कार्यक्रम होता, मैं जुड़ने का पूरा प्रयास करती। जितना इन्हें सुनती उतनी ही इनकी लेखनी की ओर खिंची चली जाती।

सूफी भजन, गजल और खासकर भगवान शिव पर लिखे गीत उमाजी की पहचान हैं।

बाहर तू है कहाँ शिव..
दिल में तेरा शिवालय
भक्ति की ज्योत जगा कर
खुद में शिव को बुला ले
ईश्वर तू है सखा तू
पल पल मुझको सँभाले

उमाजी की रचनाएँ बताती हैं कि वे ईश्वर से एक ज्योत रूप में जुड़ी हैं, जिसकी लौ ईश्वर के प्रति प्रगाढ़ विश्वास से सदा जगमगाती रहती हैं। कभी-कभी इनकी रचनाएँ पढ़कर ऐसा भी लगता है कि अपने को तलाशने और तराशने की ज़िद श्वेताजी के भीतर मन में निरंतर जारी है। तभी तो अपने आप से जुड़ने के लिए, अपने आपको जानने के लिए उमाजी साल में एक बार पहाड़ों या गुफाओं में जाकर मौन होकर अपने आप में उतरने का प्रयास करती हैं। जब मुझे इनके व्यक्तित्व की यह खास बात या यूँ कहूँ अलग-सी बात पता चली तो मैं इनसे और भी अधिक प्रभावित हो गई। और फिर एक दिन मौका मिला उनसे मिलने का, जब वे माँ कामाख्या के दर्शन करने गुवाहाटी आई। जैसा उनके व्यक्तित्व के बारे में सोचा करती थी उससे भी कहीं बढ़कर खूबसूरत व्यक्तित्व लगा उनका। चेहरे पर शांत भाव, बहुत सुलझी हुई और खूबसूरत मुस्कान के साथ उनका खिला हुआ चेहरा। मिलते ही लगा जैसे बरसों की जान-पहचान हो उनसे। उस आत्मीयता भरे आलिंगन का अहसास आज भी मेरे मन में ताजा है।

कुछ देर समय साथ बिताने के बाद हम रवाना हुए निलांचल पर्वत की ओर...वो भी मेरी सोनपरी(स्कूटी) पर। पहले तो वे सहज नहीं लग रही थीं स्कूटी पर बैठकर... शायद बरसों बाद सवारी की थी उस पर। मगर जैसे ही हमने सड़कों से गुजरते हुए पर्वत पर कदम रखा तो वे बहने लगीं उस खुली हवा के साथ अपने पंखों को पसारते हुए, फिर तो उन्होंने बहुत लुत्फ उठाया इस सवारी का। इस तरह हम पहुँचे माँ कामाख्या के दरबार में। जहां माँ के दर्शनों के लिए हमें गुजरना था बहुत ही लम्बी कतार से। उस लम्बी कतार को देखकर उनका मन बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ। माँ से मिलने की खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। दर्शनों के लिए किए गए उस इंतजार में मैंने उन्हें बहुत करीब से देखा और पढ़ा। मैं आश्चर्यचकित-सी रह गई उन्हें देखकर कि इतने शोर में भी किस तरह वे सिर्फ अपने ईश्वर से सच्चे मन से जुड़ी रहीं। परदेस में इतने सालों से रह रही उमाजी का हर एक संस्कार बताता है कि वे आज भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई है।इस यात्रा में उन्होंने मुझे एक बहुत प्यारा सा नाम भी दिया ₹मेरी शेरनी₹

कब तलक मुफलिसी में किया जाएगा
चाक दामन कहां तक सिया जायेगा
मुन्तज़िर अक्स होंगे बहुत से वहाँ
आईना जिस दुकाँ से लिया जायेगा

उमाजी की कलम की धार उस प्रवाहमयी नदी की तरह है,जो बस अविरल बहना जानती है... मगर उस बहाव में भी आत्मिक शांति और ठहराव का अनुभव होगा, जो भी राहगीर जुड़ेगा उनकी रचनाओं से।

गजल

विनय कुमार
गुरुग्राम, हरियाणा

आज दश्त भी खामोश है और सहरा भी खामोश,
ये कैसा दहशत–ओ–खौफ है कि सब कुछ है खामोश।
जुल्फ के पेंच–ओ–खम ये बताते हैं कि,
यक`ीनन रात गुजरी है बेइंतहा खामोश।
रोने से जार–जार कहाँ दाग–ए–दिल गए,
अहद–ए–शबाब हो गए हैं अब तो खामोश।
बिगड़ते हालात को देख कर हैरत है मुझे,
सियासतदान खुद में मशगूल हैं और खामोश।
इस बियाबान की खामोशी भी अजीब है,
कोई कुछ भी नहीं कहता हर शक्स हो गया है खामोश।
कभी जहाँ होतीं थीं रौनक–ए–रक्स–ओ–शबाब,
उस पुराने कि ले की दीवारें हैं अब बिलकुल खामोश।
समझ नहीं आता कि क्या तूफान आने को है,
या कि तूफान आ चुका लिहाजा सब कुछ है खामोश।
मुझे ये यक`ीं है कि कुछ भी नहीं होता उसकी मजी के बगैर,
तो क्या ये समझूँ विनय कि क्या खुदा भी हो गया है खामोश ?

अहद–ए–शबाब–जवानी के दिन

चिंतन-

जीवन : एक आनंद कोष

स्मृति श्रीवास्तव
नोएडा, उत्तर प्रदेश

मैं सोचती हूं कि मैं सभी गांव, सभी शहर देखूं, दुनिया के सभी लोगों से मिलूं, सभी प्रकार की कलाएं सीखूं और उसे समझने परखने की चेष्टा भी करूं क्योंकि जीवन का पूरा पूरा आनंद तभी उठाया जा सकता है जब हमारे मन में हर वस्तु के बारे में जानने की जिज्ञासा हो और सीखने का उत्साह एवं लगन भी हो।

जीवन तो जलधारा की भांति निर्बाध बहना चाहिए। उसमें प्रवाह हो तभी वह जिंदगी है। जब एक स्थान पर रुका हुआ जल मलिन हो जाता है, अपना आकर्षण खो बैठता है। उसी तरह एक सीमित दायरे में सिमटी, सिकुड़ी ज़िंदगी भी नीरस और बेजान क्यों न होगी?

संसार में ऐसी जिंदगी बहुत से लोग जीते हैं, किंतु मैं तो जन्म से ही जिंदगी की सतत बहती धारा के साथ बह रही हूं और बहती रहूंगी। मेरे मन की लगन मुझे लगातार कुछ नया देखने, समझने और सीखने की प्रेरणा देती रहती है।

जीवन का आनंद कोष तो अपरिमित है, अनंत है। आवश्यकता है इसका महत्त्व समझने की। इसके आनंद को तो हमें हर पल, हर क्षण आत्मसात करना चाहिए और दूसरों को भी इस आनंद का अनुभव कराना चाहिए, क्योंकि इसका भंडार तो अक्षुण्ण है, जितना खर्च करो, उतना ही बढ़ता जाता है। जीवन के प्रति जो उदासीन रहते हैं, वास्तव में उन्होंने इसका आनंद लिया ही नहीं। मैं तो सोचती हूं कि इस नित नवीन विश्व में, ऊबने जैसी कोई चीज है ही नहीं। प्रतिदिन प्रातः से सायं तक, पूरी सृष्टि को अपने प्रकाश से आलोकित करने वाले सूरज का आकर्षण हर दिन सभी में एक ऊर्जा का संचार करता है। भिन्न भिन्न फूलों की भीनी भीनी खुशबू, प्रतिदिन नए सिरे से मन को प्रफुल्लित कर देती है। हरे भरे वृक्षों की हरियाली, कोयल की मधुर कूक, नदियों की कल कल बहती निर्मल धारा, झर झर बहते, मीठा गीत सुनाते, मन को लुभाते झरने....ये सब मन को एक अलौकिक शांति प्रदान करते हैं। परिवर्तनों का आगार यह विश्व तो अजर अमर है ही, चिरकाल तक तरुण रहने वाले इस विश्व की चिर नवीनता की पहचान ही वस्तुतः जिंदगी है।

वैदिक काल की सामाजिक संरचना

वैदिक काल का समाज उच्च वैचारिक और तार्किक था जो हर सामाजिक व्यवस्था को विचार करके अपनाता था। समाज को वर्णो मे विभाजित किया गया था जो कि कर्म पर आधारित था। इससे समाज का परिचालन आसान हो जाता था। समाज के ऐसे विभाजन के बावजूद परिवार का विभाजन नहीं था ।यहां संयुक्त परिवार प्रथा प्रचलित थी, लोग साथ रहने और मिलकर काम करने पर विश्वास रखते थे। लोगों के बीच स्पर्धा नहीं थी जिसके कारण लोग साथ मिलकर खुशी से रहते थे ।लेकिन आज जमीन, धन आदि की लालच, घर के मुखिया बनने की लालसा के कारण ही लोग अलग रहने के विचार से सहमत होते हैं।
शहरीकरण भी आज परिवार के छोटे होने का प्रमुख कारण बन चुका है। वैदिक काल मे समाज कि ऐसी व्यवस्था थीकि लोगों को काम उनके घर के पास ही मिल जाया करते थे। लोगों को अपने घर से दूर नहीं जाना पडता था जिससे वे अपने परिवार के पास ही रहते थे ।आज देश में एकल परिवार की संख्या ज्यादा हो गयी है। इसका परिणाम यह है कि आज बच्चों का सामाजिक विकास कम हो गया है। वे संबंधोंका महत्त्व नहीं समझ पाते हैं। आज मां– बाप दोनों के काम करने की वजह से बच्चों की देखभाल करने के लिये किसी दूसरे को पैसे देकर रखना पड़ता है और कई बार बच्चों को अकेलापन और तनाव भी महसूस होता है। वे बंधकर रह जाते हैं और कम लोगों के साथ रहने से उनके विचार भी सीमित हो जाते हैं। परिवार के दूसरे सदस्यों के न होने की वजह से बच्चों को कम मार्गदर्शन मिलता है ।और वैदिक काल की सामाजिक संरचना ऐसी थी जिसके कारण पूरा परिवार इन मुश्किलों से बचा हुआ था। वैदिक काल की एक और खास बातहै कियहां का समाज पितृसत्तात्मक था अर्थात समाज मे पुरुष ही निर्णय लेने के अधिकारी थे। इसके बावजूद स्त्रियों को शिक्षा एवं वर चुनने का अधिकार था। अस्पृश्यता, सती प्रथा, पर्दा प्रथा, बाल विवाह क प्रचलन नहीं था। विधवा विवाह, महिलाओं का उपनयन संस्कार, नियोगएवं अंतरजतीय विवाह प्रचलित था। इन बातों से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आज के समाज में कुरीतियां और कमियां सहीज्ञान के भाव में हैं। इसके लिये आवश्यरक है कि हम वैदिक काल से प्रेरणा लें और भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार हम आज की पीढ़ी के लोगों को शिक्षित करें।

गीत-

चाहतें

सुधा अहलुवालिया
बेंगलुरु, कर्नाटक

चाहतों की शृंखला बुनते रहे हम।
आहटे कुछ और भी सुनते रहे हम।
विकल मन के गर्भ गृह में सुजाता सी।
लालसा की पूर्णता गुनते रहे हम।

शून्य आँखों में सलोने स्वप्न बेकल।
शर्वरी में अश्रु झिलमिल बूँद एकल।
अर्थ के आभाव की कटु व्यवस्था में।
बाल हठ दृढ़ आग्रह की अवस्था में।
काट कर कुछ छाँट कर चुनते रहे हम।
चाहतों की शृंखला बुनते रहे हम।

तृषित अधरों पर झरीं झिरझिर फुहारें।
अक्ष पर धुँधली लहर को हैं बुहारें।
कामना की कामना जगने लगी सी।
आस औ विश्वास लय पलने लगी सी।
जुगनुओं की पंक्तियां धुनते रहे हम।
चाहतों की शृंखला बुनते रहे हम।

मील के पत्थर गढ़ूँ है लोभ मन में।
जो न हो पाया उसी का क्षोभ मन में।
सिन्धु का तल क्या किसी ने नाप पाया।
व्योम विस्तृत क्या कोई भी भाँप पाया।
पंथ में प्रभु का दिया चुँगते रहे हम।
चाहतों की शृंखला बुनते रहे हम॥

सेहत/स्वास्थ्य

सर्दियों में धूप सेंकने से चंद मिनट में हो जाएंगे तरोताजा, शरीर को मिलेंगे कई फायदे

ठंड में धूप में बैठने से आपको न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक दोनों तरह से लाभ मिलती है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में धूप सेंकने से क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

अनन्या मिश्रा

सर्दियों की गुनगुनी धूप में बैठना आखिर किसे पसंद नहीं होता है। अक्सर लोग सर्दियों में धूप में बैठकर काम करना, नींद लेना और घंटों बैठकर बातें करना काफी अच्छा लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सर्दियों की धूप हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन कई बार बिजी शेड्यूल होने के कारण धूप में बैठना या धूप सेंकने का मौका नहीं मिल पाता है। जोकि काफी खतरनाक हो सकता है। ठंड में धूप में बैठने से आपको न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक दोनों तरह से लाभ मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में धूप सेंकने से क्या-क्या फायदे मिलते हैं। सर्दियों में धूप सेंकने फायदे-

अच्छी नींद आएगी

सर्दियों में धूप में बैठने से नींद बेहतर होती है। इससे सर्कैडियन लय सुधरती है और अच्छी नींद आती है। क्योंकि सूरज की रोशनी में मेलाटोनिन कंट्रोल होता है, जो नींद को बेहतर बनाने का काम करता है।

हैप्पी हार्मोन का लेवल

सर्दियों में धूप में बैठने से आपको अंदर से खुशी मिलती है। सर्दियों की धूप से शरीर में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन का लेवल बढ़ता है और यह हार्मोन डिप्रेशन को कम करता है और आपको खुश रखता है। इससे आपको मेंटल पीस मिलता है। सर्दियों में धूप सेंकने से याददाश्त अच्छी होती है।

विटामिन डी की कमी होगी पूरी

हमारे शरीर के लिए विटामिन डी बहुत महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस विटामिन की कमी से शरीर में कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। विटामिन

डी से हड्डियां मजबूत होती हैं और इम्यूनिटी बूस्ट होती है। साथ ही यह विटामिन हमारे शरीर में एनर्जी के लेवल को बनाने का काम करता है। सर्दी में धूप सेंकने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और कुछ तरह के कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है। बता दें कि विटामिन डी ऑस्टियोपोरोसिस के विकास के खतरे को भी कम करता है।

एनर्जी बढ़ाए

सर्दियों में आलस बढ़ जाता है और यदि आप धूप में बैठते हैं, तो शरीर को एनर्जी मिलती है। धूप सेरोटोनिन के उत्पादन को बढ़ाने के साथ इसे उत्तेजित करता है। इससे ब्रेन सेल्स तक सही संदेश पहुंचता है। सर्दियों में धूप में बैठने से नींद की समस्या, फोबिया, तनाव और सिजोफ्रेनिया जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं।

मजबूत होगी इम्यूनिटी

अगर आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी तो आपका शरीर कई बीमारियों से बचा रहेगा। सर्दी की धूप इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करती है और धूप में बैठने से शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है। इससे संक्रमण से बचने में भी सहायता मिलती है। वहीं धूप की कमी से होने वाले सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर भी कम होते हैं।

पर्यटन

ये है दिल्ली की सबसे फेमस क्रिसमस मार्केट, आप भी खरीदें देसी-विदेशी हर तरह सामान

> क्रिसमस के त्योहार को लेकर मार्केट भी पूरी तरह से सज गए हैं। इन माकेर्टों में क्रिसमस के सजावट का सामान और अन्य जरूरी चीजें मिलती हैं। लेकिन दिल्ली में क्रिसमस की एक खास मार्केट लोगों के बीच खासी फेमस है।

अनन्या मिश्रा

दिसंबर साल का आखिरी महीना और इस महीने का आखिर और बड़ा त्योहार क्रिसमस है। वैसे तो यह त्योहार ईसाई धर्म से जुड़ा प्रमुख त्योहार है। लेकिन दुनियाभर के तमाम देशों में क्रिसमस का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत में विभिन्न धर्मों के लोग क्रिसमस डे को नए साल के स्वागत से जोड़ते हुए बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। वहीं इस दिन घरों को सजाया जाता है, क्रिसमस ट्री सजाते हैं और केक व तरह-तरह के व्यंजन व लजीज पकवान बनते हैं। लोग पहले से ही क्रिसमस की तैयारियां शुरूकर देते हैं। क्रिसमस के त्योहार को लेकर मार्केट भी पूरी तरह से सज गए हैं। इन माकेर्टों में क्रिसमस के सजावट का सामान और अन्य जरूरी चीजें मिलती हैं। लेकिन दिल्ली में क्रिसमस की एक खास मार्केट लोगों के बीच खासी फेमस है। यहां से आप क्रिसमस से जुड़े कई विदेशी सामान खरीद सकते हैं। यह बाजार किसी को भी उत्साहित करने वाली होती है। कई खासियतों की वजह से दिल्ली में लगने वाली इस खास मार्केट में प्रवेश के लिए टिकट मिलता है।

स्विस जर्मन क्रिसमस बाजार

क्रिसमस से पहले दिल्ली में क्रिसमस मार्केट लगती है। इस मार्केट का नाम स्विस जर्मन क्रिसमस मार्केट है। यह मार्केट क्रिसमस से पहले लगती है। इस बार यह मार्केट नवंबर-दिसंबर के वीकेंड पर लग रही है।

जानिए कब लगेगी क्रिसमस बाजार

स्विस जर्मन क्रिसमस मार्केट 30 नवंबर से एक 01 दिसंबर तक लगी है। इस मार्केट में आप सुबह 11 बजे से शाम 07:00 बजे तक जाकर शॉपिंग कर सकते हैं।

कहां लगेगी ये बाजार

क्रिसमस मार्केट लोगों के लिए काफी फेमस है। यह मार्केट देश की राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी के 3 ई न्याय मार्ग में स्थित स्विट्जरलैंड एंबेसी में लगेगी। यहां पर कई राष्ट्रों की एंबेसी है।

एंट्री फीस

आप दिल्ली की अन्य माकेर्टों की तरह ही इस बाजार में प्रवेश नहीं कर सकते हैं। अपनी खासियत के चलते यहां पर एंट्री के लिए आपको 400 रुपए फीस देना होगा। वहीं 12 साल से छोटे बच्चों की एंट्री फीस फ्री है।

क्रिसमस मार्केट की खासियत

बता दें कि यह मार्केट कई कारणों से खास है। यहां पर क्रिसमस की खरीददारी के साथ ही स्विस और जर्मन फूड की कई वैरायटी का भी स्वाद ले सकते हैं। आप यहां पर घर की सजावट के सामान से लेकर, स्टेशनरी आइटम, बच्चों के लिए तोहफे और गार्डन को सजाने के लिए खूबसूरत झालरों के शानदार ऑप्शन मिल सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

सर्दियों में ड्राई स्किन होगी कोमल बस इस तरह से बादाम का इस्तेमाल चेहरे पर करें

सर्दी के दौरान ठंडी हवाओं के कारण ड्राई स्किन सबसे ज्यादा होती है। ऐसे में खुद की स्किन का देखभाल करना भी काफी जरुरी है। स्किन की अगर देखभाल न करें, तो वो ड्राई और बेजान नजर आने लगती है। त्वचा को कोमल बनाने के लिए इन टिप्स को जरुर फॉलो करें। बादाम की मदद से आप फेस पैक बनाकर स्किन को यंग और चमकदार बना सकते हैं।

दिव्यांशी भदौरिया

सर्द हवाओं के कारण इस मौसम में सबसे ज्यादा स्किन ड्राई होती है और यह चेहरे को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। बादाम पोषण के लिहाज से बहुत अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। गौरतलब है कि बादाम गुणों की खान है। इसके सेवन से शरीर को कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्राप्त होते है। सेहत के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। आमतौर पर कुछ लोग बादाम का तेल से चेहरे पर मालिश करते हैं। हालांकि, अगर आपके पास बादाम का तेल नहीं तो बादाम का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करने से स्किन ग्लो करने लगती है। चेहरे पर बादाम का पैक लगाने से फाइन लाइंस और रिंकल को भी दूर करता है। इतना ही नहीं, स्किन के एजिंग प्रोसेस को रोकता है जिससे स्किन को यंग दिखने में मदद मिलती है। जानें ऑयली और ड्राई स्किन पर कैसे लगाएं बादाम।

ऑयली स्किन के लिए बादाम का प्रयोग कैसे करें

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को बादाम के तेल से बना फेस पैक चेहरे पर लगाएं। फेस पैक बनाने के लिए आप एक से दो बादाम को रातभर पानी में भिगो दें। अगली सुबह इस बादाम को पीसकर पेस्ट तैयार करें। दही में बादाम के पेस्ट को मिलाकर फेस पैक बनाएं और फिर चेहरे पर अप्लाई करें। 10-15 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

दही बादाम फेस पैक लगाने का फायदा

जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है उनके पिंपल और एक्ने जल्दी निकलते हैं और चेहरा डल दिखता है। दही के साथ मिलाकर बादाम लगाने से न केवल पिंपल का निकलना कम होता है बल्कि तैलीय त्वचा नहीं दिखाई देती और खिला-खिला चेहरा नजर आता है।

ड्राई स्किन के लिए बादाम सबसे अच्छा है

ड्राई स्किन के लिए काफी फायदेमंद है बादाम। चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी बादाम के फेस पैक दूर हो जाती है। बादाम के इस्तेमाल से स्किन ग्लोइंग और यंग बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए भीगे बादाम को ओट्स और दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और चेहरा को साफ करें। ऐसा करने से आपके चेहरे की डेड स्किन रिमूव होती है और त्वचा ग्लो करती है।

घरेलू नुस्खे

बार-बार डोसा खाकर हो गए बोर, घर पर बनाएं हेल्दी और टेस्टी पोहा चीला, सब करेंगे आपकी तारीफ

रोजाना वही, बोरिंग नाश्ता करके आप पक गए होंगे। कुछ अलग और टेस्टी ब्रेकफास्ट की रेसिपी तलाश रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। इस आर्टिकल में हम आपके लिए लेकर आएं कुछ मिनटों में तैयार होने वाला पोहा चीला, जिसे खाकर मजा आ जाएगा।

दिव्यांशी भदौरिया

डेली एक जैसा नाश्ता खाकर आप भी थक गए होंगे और कुछ नया ट्राई करने की कोशिश कर रहे होंगे।

इस लेख में हम आपके लिए एक टेस्टी और हेल्दी पोहा चीला की रेसिपी लेकर आए है। इसे बनाना बेहद आसान है और कुछ ही मिनटों में तैयार किया जा सकता है। इस डिश में प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट और विटामिन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर पोहा चीला को हेल्दी नाश्ते की श्रेणी में रखा है।

आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

पोहा चीला बनाने के लिए सामग्री

-1 कप पोहा (चपटा चावल)
-1/2 कप दही
-1 कप बारीक कटा हुआ प्याजविटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें
-1/2 कप कटी हुई गाजर
-1/4 कप धनिया पत्ती
-1-2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई
-1 चम्मच कसा हुआ अदरक
-1 चम्मच हल्दी पाउडर
-1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
-1 चम्मच धनिया पाउडर
-नमक स्वाद अनुसार
-1-2 चम्मच तेल (खाना पकाने के लिए)

पोहा चीला बनाने की विधि

- सबसे पहले पोहा को अच्छे से धोकर 15 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। फिर पानी निचोड़कर एक प्लेट में रख लें।

- इसके बाद कटोरे में भीगा हुआ पोहा, दही, बारीक कटा प्याज, गाजर, हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर सामग्री को अच्छे से मिला लें।

- अब आप नॉन-स्टिर पैन गरम करें और फिर थोड़ा सा तेल डालें। इसके बाद आप तैयार मिश्रण को तवे पर डालें और फिर एक चम्मच से इसे फैलाएं।

- इसके बाद जब यह सुनहरा और कुरकुरा होने तक पकने दें। पक जाने पर इसे पैन से उतार लें और आपका गर्मा-गर्म पोहा चीला तैयार है। इसे आप चटनी या दही के साथ परोसें।

मंत्री ने सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय सेक्टर 39 नोएडा में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

अस्पताल में मेडिकल संयंत्र एवं दवाओं की बनी रहे उपलब्धता, मरीज को बाहर से न खरीदनी पड़े दवा: मंत्री बृजेश सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों व योजनाओं का सभी पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश भर में जनपदों के प्रभारी मंत्री गण अपने-अपने जनपदों में पहुंचकर मरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि सभी को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं का भरपूर लाभ बेहतर ढंग से प्राप्त हो सके।

इसी श्रृंखला में आज राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग/जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने जनपद भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय सेक्टर 39 नोएडा में स्थापित पोषण पुनर्वास केन्द्र का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने जिला चिकित्सालय में एनआरसी सेंटर, डायलिस, आयुष्मान भारत काउंटर, फिजियोथेरेपी, ब्लड़ बैंक, तम्बाकु उन्मूलन, दवाई वितरण, पंजीकरण ओ0पी0डी0 आदि का बहुत ही गहनता के साथ निरीक्षण किया और स्वास्थ्य से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा प्रदेश वासियों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रम एवं योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को भरपूर लाभ दिया जाए, कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में आवश्यक चिकित्सा संयंत्र एवं पर्याप्त मात्रा में औषधि की उपलब्धता बनी रहे। अस्पताल में आने वाले मरीजों को बाहर से दवा न खरीदनी पड़े इस प्रकार अस्पताल में औषधि की उपलब्धता बनाई रखी जाए।

मंत्री बृजेश सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की अस्पताल परिसर में सभी मूलभूत सुविधाएं एवं साफ सफाई मानकों के अनुरूप बनी रहे। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की सभी चिकित्सकगण चिकित्सालय में समय से उपस्थित होकर उत्तर प्रदेश शासन के स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। माननीय मंत्री जी ने इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की अस्पताल में स्टाफ एवं चिकित्सक के द्वारा जनसामान्य से मृदुल व्यवहार रखते हुए ही चिकित्सा का लाभ उपलब्ध कराया जाये ताकि उत्तर प्रदेश के जन-जन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सके।

मंत्री बृजेश सिंह ने इस अवसर पर अस्पताल परिसर में मूलभूत सुविधाओं एवं साफ सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संतोष प्रकट किया एवं अस्पताल प्रबंधक के कार्यों की सराहना की। उन्होंने जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से भी अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त की, जो की संतोषजनक प्राप्त हुई।

मंत्री बृजेश सिंह के निरीक्षण के दौरान डीएम मनीष कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेनू अग्रवाल, तहसीलदार जेवर विवेक भदौरिया तथा अन्य संबंधित अधिकारीकरण उपस्थित रहे। मंत्री बृजेश सिंह ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण के उपरान्त कम्पोजिट विद्यालय छलैरा सेक्टर 37 नोएडा पहुंचे, जहां पर उन्होंने कम्पोजिट विद्यालय छलैरा में स्थापित इनोवेशन हब एवं डिजीटल शाला का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर स्मार्ट क्लास में अध्यनरत छात्र-छात्राओं से आधुनिक शिक्षा के सम्बन्ध वार्ता करते हुये भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी एवं जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में बच्चों को परोसे जा रहे मिड डे मील भोजन को खाकर उसकी गुणवत्त को परखा गया, जोकि मानकों के अनुरूप सही पाई गयी। मंत्री बृजेश सिंह ने निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर की मूलभूत सुविधाओं एवं शिक्षा की गुणवत्ता को परखा जोकि मानकों के अनुरूप सही पायी गयी और उन्होंने कहा कि स्कूल में मूलभूत सुविधाओं पर इसी प्रकार विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि स्कूल की मूलभूत सुविधाओं के कारण ही स्कूल में पढने वालो छात्रों को शिक्षा का अच्छा माहौल प्राप्त होता है और वह मन लगाकर अपना अध्ययन करते है।

जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने रैन बसेरो में पहुंचकर सुविधाओं का लिया जायजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप शीत लहरी एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने हेतु डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में आज डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशकों क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण के दौरान रैन बसेरों में पहुंचकर वहां पर प्रवास कर रहे लोगों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया, उन्होंने पाया कि रैन बसेरों में प्रवास कर रहे लोगों को सभी सुविधाएं मानकों के अनुरूप प्राप्त हो रही हैं। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं, आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए।

नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जनपद में संचालित रैन बसेरों में सभी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप बनी रहे उनका भी समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाएगा।

श्री राम कथा में हुआ श्री राम सीता के स्वयंवर का वर्णन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। स्टेडियम नोएडा रामलीला मैदान में आयोजित दिव्य श्री राम कथा के पंचम दिन मे कथावाचक महाराज श्री महेंद्र जी द्वारा प्रभु श्री राम जी द्वारा महर्षि विश्वामित्र द्वारा किए गए सृष्टि के रक्षा के लिए यज्ञ को पूर्ण और फिर राम लक्ष्मण जी को जनकपुर के राजा जनक जी द्वारा जनकपुर मैं जगत जननी मां सीता स्वयंवर की कथा सुनाई गई' शिव धनुष की महिमा बताई गई और बताया गया किस प्रकार अनेक राजाओं द्वारा सिर्फ धनुष तोड़ने की कोशिश की गई और प्रभु श्री राम को देखकर जनकपुर के सभी लोग उन पर मोहित हो गए।

प्रभु श्री राम की महिमा का गुणगान किया' प्रभु श्री राम द्वारा शिवजी के धनुष को किस प्रकार तोड़ा और फिर लक्ष्मण परशुराम संवाद के बारे में बताया गया उसके बाद सीता विवाह कराया गया और श्री राम माता सीता विवाह की झांकी दिखाई गई। उसके बाद अयोध्या के राजा दशरथ द्वारा दिए महारानी कैकई को दिए वरदान को पूर्ण करने के लिए श्री राम जी को 14 साल के वनवास और अपने पुत्र भरत को अयोध्या के राजा बनाने के लिए बोला और सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति की गई और बधाई गीत गाया गया। जिस पर भक्तजन झूमे नाचे कथा के उपरांत आरती की गई। कथा के मौके पर विशिष्ट अतिथि नवीन मिश्रा भाजपा, कपिल धारीवाल, पवन कुमार, राहुल शर्मा, मीडिया प्रभारी गोपाल गुप्ता, गौरव सिंह मेहरा, कार्तिकेय शर्मा, दीपक सिंह मेहरा, चंचल सिंह, मुरलीधर, लता भट, ममता शर्मा, प्रिंस, अरुण शर्मा, कंचन गुप्ता आदि भक्तजन मौजूद रहे।

जनपद में 13 दिसंबर 2024 से 17 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा मिशन शक्ति अभियान की प्रगति का मूल्यांकन

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु उत्तर प्रदेश शासन कृत संकल्पित: ज्येष्ठ मूल्यांकन अधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए संचालित यूपी मिशन शक्ति अभियान का मूल्यांकन अध्ययन हेतु मूल्यांकन प्रभाग, नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश शासन के ज्येष्ठ मूल्यांकन अधिकारी डॉ संतराम की अध्यक्षता में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद में वर्ष 2020-21 से वर्तमान समय तक किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक विद्युत गेस्ट हाउस सेक्टर 38 नोएडा में संपन्न हुई, जिसमें एसीपी पुलिस सौम्या सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह, एसीएमओ धर्मवीर सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में ज्येष्ठ मूल्यांकन अधिकारी डॉ0 संतराम ने मूल्यांकन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु संचालित यूपी मिशन शक्ति अभियान के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में रेंडम पद्धति के आधार पर अभियान की प्रगति का मूल्यांकन किया जा रहा है, जिसके तहत जनपद गौतम बुद्ध नगर में यह मूल्यांकन दिनांक 13 दिसंबर 2024 से 17 दिसंबर 2024 तक किया जाना है। मूल्यांकन कार्य हेतु यूपी मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत संपादित कार्यों की प्रकृति उपयोगिता तथा प्रभाव के संबंध में स्थलीय निरीक्षण के साथ-साथ लाभार्थियों से साक्षात्कार एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों से विचार विमर्श कर तथ्य संकलित कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को मूल्यांकन अधिकारी ने निर्देश दिए कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता के अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाते हुए राज्य में महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण को सुनिश्चित करना है, महिलाओं के रहने और काम करने के लिए उनके कार्य स्थलों पर उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत संबंधित विभागों के अधिकारी विगत 05 वर्षों की प्रगति रिर्पोट निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही विभाग में संचालित योजनाओं का लाभ महिलाओं को प्राथमिकता पर दिलाएं। उत्तर प्रदेश शासन महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु पूर्ण रूप से संकल्पित है।बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा आवश्यक सुझाव भी दिए गए। विद्युत गेस्ट हाउस में बैठक करने के उपरांत ज्येष्ठ मूल्यांकन अधिकारी ने थाना सेक्टर 20, 49, 58, पुलिस पिंक बूथ सेक्टर 2 नोएडा तथा थाना फेस वन नोएडा में पहुंचकर यूपी मिशन शक्ति अभियान के तहत किए गए कार्यों का मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करें।

17 दिसंबर, 2024 को कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर्स दिवस का होगा आयोजन

गौतमबुद्ध नगर। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जनपद के पेंशनर्स को जानकारी देते हुए बताया कि 17 दिसंबर 2024 को सुबह 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में पेंशनर्स की समस्याओं का निस्तारण कराने के उद्देश्य से पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया जाएगा। जनपद के पेंशनर्स आयोजित होने वाले पेंशनर्स दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालय अध्यक्षों एवं आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित तिथि एवं समय पर पेंशनर्स दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, ताकि जनपद के पेंशनर्स की समस्याओं का निदान किया जा सके।

तीन दिवसीय समिट में शैक्षणिक जगत, उद्योग और सरकार के नेताओं ने सतत भविष्य के लिए अत्याधुनिक समाधानों पर की चर्चा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली-एनसीआर ने उच्च शिक्षा डेटा और अंतर्दृष्टि के लिए अग्रणी वैश्विक मंच टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) के सहयोग से इनोवेशन एंड इम्पैक्ट समिट 2024 का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फोरम (एनईटीएफ) अध्यक्ष, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) और अध्यक्ष, नेशनल ब्यूरो ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए), भारत द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में टीएचई के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर फिल बैटी और शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस के कुलाधिपति शिखर मल्होत्रा उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक क्षेत्र, उद्योग और सरकार सहित विभिन्न क्षेत्रों के 380 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तीन दिनों के दौरान कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष, तंत्रिका विज्ञान, स्वास्थ्य नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, सस्टेनेबिलिटी और कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच और अध्यक्ष, कार्यकारी समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने कहा की मैं इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनकर अत्यंत प्रसन्न हूं जो नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का जश्न मना रहा है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में मात्र नौ वर्षों में 81वें से 39वें स्थान पर पहुंचना, हमारी समृद्ध बौद्धिक विरासत को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ने की शक्ति को दशार्ता है। शिखर मल्होत्रा, कुलाधिपति, शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली-एनसीआर ने समिट की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा की इम्पैक्ट एंड इनोवेशन समिट 2024, शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली-एनसीआर के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। हम टाइम्स हायर एजुकेशन का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने पहली बार भारत में इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी की। 36 देशों की भागीदारी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परोपकार, शिक्षा और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में हुई चचाओं के साथ, ये तीन दिन सहयोग और विविध दृष्टिकोणों की शक्ति के प्रमाण रहे।

नोएडा विधायक पंकज सिंह के जन्मदिवस पर हवन पूजन और मिठाई वितरण

नोएडा। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और नोएडा विधायक माननीय पंकज सिंह के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर कृष्णा नगर मंडल में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर चोटपुर आश्रम दुर्गा पूजा मंदिर में विशेष पूजा और हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद मिठाई का वितरण कर सभी ने विधायक के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। यह कार्यक्रम कृष्णा नगर मंडल में मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह के नेतृत्व में मंदिर में दुर्गा पूजा और हवन से हुई। मंडल के कार्यकताओं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने इसमें भाग लिया। पूजा संपन्न होने के बाद सभी ने मिलकर मिठाई वितरण किया और विधायक जी के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रकट कीं। इस अवसर पर कृष्णा मंडल के मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह, मंडल महामंत्री मदन राय, मंडल मंत्री सुमेर सिंह, मंडल मंत्री रवि यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ चौहान, पूर्वांचल मोर्चा मंडल अध्यक्ष अशोक झा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आरती सिंह, मंडल महामंत्री ज्योति श्रीवास्तव, सेक्टर संयोजक विजेंद्र राय और सेक्टर संयोजक रविन्द्र यादव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आईएमएस नोएडा में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरूआत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरूआत की गई। यह सेंटर रोजगार कौशल विकसित करने एवं आधुनिक तकनीकों में प्रवीणता प्राप्त करने में छात्रों को मदद करेगी। वहीं शुक्रवार को संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि एवं वक्ता दूधवाले फार्म के फाउंडर संजय जैन, आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर के सलाहकार पूजा तलवार एवं संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक और तकनीकी कौशल की दक्षता जरूरी है। छात्रों को उद्योग की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करना हमारा लक्ष्य है। भविष्य में स्किल डेवलपमेंट सेंटर छात्रों को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा।

संजय जैन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में सफलता के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावसायिक और तकनीकी कौशल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपनी उद्यमशीलता यात्रा और व्यावसायिक सफलता के अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने कौशल को विकसित करने और उद्योग की आवश्यकताओं को समझने पर ध्यान केंद्रित करें।

आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर की सलाहकार पूजा तलवार ने कहा कि यह सेंटर छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जहां वे उद्योग से जुड़े कौशल और आधुनिक तकनीकों में प्रवीणता हासिल करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सेंटर के तहत विभिन्न प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे' आईएमएस द्वारा आयोजित आज के कार्यक्रम की संयोजक प्रो. शोभा त्रिपाठी एवं प्रो. ज्योति त्रिपाठी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, बल्कि उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। वहीं यह सेंटर छात्रों को कौशल विकास में मदद के साथ-साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करेगा।

दिल्ली ओखला सिटी रोटरी क्लब ने नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में छात्रों को असीमित हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा प्रदान की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। दिल्ली ओखला सिटी रोटरी क्लब जो अपने प्रभावशाली सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है, ने नोएडा लोक मंच द्वारा संचालित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में असीमित हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है।

यह लाइब्रेरी 1,000 से अधिक छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है, जो वढरउ, ठउअ, उउअ, ररउ, उअ, उर, ठएएळ, खएए, उअळ, बैंक पीओ, रेलवे भर्ती, उछअळ और राज्य सिविल सेवा जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अब यह लाइब्रेरी अत्याधुनिक कनेक्टिविटी से लैस है, जो छात्रों को ऑनलाइन संसाधनों और सीखने के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगी। इस परिवर्तनकारी परियोजना को रोटरी क्लब के समर्पित सदस्य परितोष यादव के माध्यम से उनकी कंपनी कॉस्टेल नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संभव बनाया गया है। इस पहल में रोटरी क्लब के अन्य प्रतिष्ठित सदस्य दीपक छाबड़ा, संजय बत्रा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए, रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुशाग्र अवस्थी ने कहा की लाइब्रेरी में इंटरनेट की सुविधा की कमी इन होनहार छात्रों के लिए एक बड़ी बाधा थी, जो अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली ओखला सिटी रोटरी क्लब की यह पहल गेम-चेंजर साबित होगी, जो इन छात्रों को ऑनलाइन शैक्षिक सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं के संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगी। हाई-स्पीड इंटरनेट, उन्नत फायरवॉल से संरक्षित है और केवल पंजीकृत छात्रों को ही इसकी पहुंच दी जाती है। यह परियोजना शिक्षा का समर्थन करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विधायक मंजू शिवाच ने किया सड़क का किया शिलान्यास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र की नगर पंचायत पतला के बम्बे से ग्राम खिंदौडा के मुख्य मार्ग तक लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत सड़क का शिलान्यास विधायक डॉ मंजू शिवाच ने फीता काट कर किया । साथ ही मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम एम.पी. सिखैडा में विधायक निधि द्वारा निर्मित सोने के खेत से रजवाहे के पुल तक इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का विधायक डॉ मंजू शिवाच ने फीता काट कर उद्घाटन किया । जिसकी लागत मूल्य 4.64 लाख है। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ करणवीर सिंह भूषण प्रधान , कपिल, तपेश्वर, विनेश, प्रमोद , सुशील पिंटू बूथ अध्यक्ष, देवेंद्र पतला चेयरमैन , रघु , कृष्ण , मोहित प्रधान जी , सुभाष त्यागी, संजय भदौला आदि उपस्थित रहे ।

एसआरएम में बहु-विषयक कौशल विकास पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, मोदीनगर, गाजियाबाद के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए स्पेशेवर स्थिरता के लिए बहु-विषयक कौशल संवर्धनस्र विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 10-16 दिसंबर 2024 से कराया जा रहा है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के संचार कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल और आलोचनात्मक सोच को विकसित करना है। यह कार्यशाला पेशेवर विकास, नौकरी में संतुष्टि और समग्र कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है।

इस कार्यशाला के माध्यम से, संस्थान बहु-विषयक कौशल के महत्व को उजागर करने और तेजी से बदलते कार्य वातावरण में प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का प्रयास कर रहा है।हम अपने संरक्षकों डॉ. एस. विश्वनाथन (निदेशक), डॉ. आर.पी. महापात्रा (डीन), डॉ. नवीन अहलावत (डीन, एसएंडएच), डॉ. एन.एम. मिश्रा (डीन, एफएमएस), और डॉ. धौम्या भट्ट (डीन, आईक्यूएसी) के मार्गदर्शन के लिए कृतज्ञ हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक प्रो. (डॉ.) नवीन अहलावत और डॉ. मधुरीमा श्रीवास्तव, समन्वयक डॉ. निर्मल शर्मा, डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. सविता यादव, वरुण मिश्रा, और आयोजन समिति के अन्य सदस्यों डॉ. संदीप कुमार, डॉ. यामीन खान, डॉ. भारती चंद्रायन, डॉ. एन. तारनी एन. कुलश्रेष्ठ, डॉ. चंदर शेखर, डॉ. जी.एस. शर्मा, प्रीति शर्मा, राकेश कुमार, शिखा चौहान, ऋषभ आर्यन, अविनाश कुमार, और प्रेरणा शर्मा के योगदान की भी सराहना करते हैं। आपके समर्थन और सहयोग ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वार्षिक खेल महोत्सव 2024-25 का भव्य समापनडी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 2024-25 का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अरुण त्यागी (लोकप्रिय शिक्षाविद एवं निदेशक-प्रधानाचार्य, छाया पब्लिक स्कूल, मोदीनगर) और मुख्य वक्ता डॉ. सतीश गुलिया (जनता डिग्री कॉलेज, पतला) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के प्रबंधक गुलबीर सिंह और प्रधानाचार्या डॉ. सोनल चौधरी ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। मुख्य अतिथि डॉ. अरुण त्यागी ने विजेता विद्यार्थियों को मैडल और ट्रॉफी देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को खेलों के महत्व के बारे में प्रेरणादायक संदेश दिया और उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। खेल महोत्सव में बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। जेवलीन थ्रो में गगन, 400 मीटर छात्र वर्ग दौड़ में अविश और 400 मीटर छात्रा वर्ग दौड़ में अविका शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एन.सी.सी. ऑफिसर गुड्डू गुप्ता, खेल अध्यापक अतुल चौधरी, तथा शिक्षकगण रचना शर्मा, सचिन चौधरी, तरुण आर्य, मनीष कुमार, पूनम, नीरज, आकांक्षा, श्वेता शर्मा, प्रियंका आदि का विशेष योगदान रहा।प्रधानाचार्या डॉ. सोनल चौधरी ने विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को उनके सहयोग और समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव बच्चों में शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। खेल महोत्सव ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच ऊर्जा और उत्साह का नया संचार किया।

एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 के अंतर्गत विद्युत उपभोक्ता को दी जानकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, मोदीनगर महेश उपाध्याय ने बताया कि ग्राम खानपुर, मोदीनगर के विद्युत उपभोक्ता उपस्थित हुए। जिनके साथ चर्चा के दौरान उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए शासन द्वारा दिनांक 15.दिसंबर से 31 जनवरी तक तीन चरणों ,अवधि में लागू की जा रही जल्दी आयें, एकमश्त समाधान भुगतान कर ज्यादा लाभ पायें। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं को एक मुश्त समाधान योजना 2024-25स्र योजना से अवगत कराया । साथ ही साथ उपस्थित उपभोक्ताओं को पम्पलेट हस्तगतकरते हुए अन्य उपभोक्ताओं से एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 का लाभ उठाकर अपने सम्पूर्ण बिल का भुगतान करने हेतु प्रेरित किया गया। महेश उपाध्याय ने बताया खण्ड के अन्तर्गत गोविन्दपुरी, मोदीनगर के शिवचौक पर एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 के प्रचार-प्रसार हेतु व्यापार मण्डल अध्यक्ष की उपस्थिति में बैनर लगाकर, पम्पलेट वितरित करते हुए लाऊड स्पीकर से प्रचार किया गया। प्रचार-प्रसार के दौरान उपस्थित उपभोक्ता एवं व्यापारियों से व्यक्तिगत रूप से वातार्लाप कर एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 की जानकारी एवं लाभ से अवगत कराया गया तथा एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 का लाभ उठाकर अपने सम्पूर्ण बिल का भुगतान करने हेतु प्रेरित किया गया।

मोदी कॉलेज में प्रथम मानक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद द्वारा प्रथम मानक लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया जिसका निर्देशन कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल द्वारा किया गया मैंटर रसायन विज्ञान प्रवक्ता श्री राजीव वर्मा द्वारा मंच संचालन किया रिसोर्स पर्सन और पर्यवेक्षक नीरज शर्मा ,श्री राजीव वर्मा द्वारा लगभग मोदी कॉलेज के लगभग 70 से अधिक छात्रों को भारतीय मानक ब्यूरो के बारे में जानकारी दी श्री नीरज जी ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो भारत में राष्ट्रीय मानक निर्धारित करने वाली संस्थाएं है यह सुरक्षित विश्वसनीय गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करता है उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य जोखिम को कम करता है निर्यात एवं आयात विकल्पों को प्रोत्साहित करता है इसके लिए उत्पादों पर गुणवत्ता मापन मार्क दिए जाते हैं जैसे हॉलमार्क आभूषणों की गुणवत्ता प्रमाण हेतु इको मार्क पर्यावरण अनुकूल मानकों को पूरा करने एगमार्क खाद्य वस्तु की शुद्धता को सुनिश्चित करने में ट्रेडमार्क आपसी सेवा उत्पाद या व्यवसाय को एक विशेष पहचान देता है और आईएसआई मार्क यह प्रमाणित करता है कि भारत की राष्ट्रीय मानक निकाय की कोई उत्पाद भारतीय मानक के अनुरूप है रिसोर्स पर्सन ने बताया कि जब कोई कंपनी स्विच बनती है तो भारतीय मानक ब्यूरो उनको मानक प्रदान करता है उसे मानक के अंतर्गत जब कोई स्विच बनाते हैं तो उसमें सभी अप्लायंसेज काम करते हैं इसके बाद उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मानक बनाने के लिए सभी नियमों से अवगत कराया और फिर उन्हें अलग-अलग मानक बनाने के लिए जैसे इलेक्ट्रिक बल्ब इलेक्ट्रिक डॉग स्मार्ट पेन हेलमेट ,प्रेस आदि सभी विद्यार्थियों को अलग-अलग मानक बनाने के लिए लिखित परीक्षा कराई सभी विद्यार्थियों ने मानक के सभी नियमों को अपनाते हुए लिखित परीक्षा दी जिसमें तनुज सिंह और गोविंद कोरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर₹1000 , 1000 धनराशि व मोमेंटो प्राप्त किया द्वितीय पुरस्कार में कार्तिक औरसुरज ने 750 750 की धनराशि व मोमेंटो प्राप्त कर सम्मान प्राप्त किया तृतीय पुरस्कार में सुमित विक्रांत ने 500 500 की धनराशि व मोमेंटो तो प्राप्त कर सम्मान प्राप्त किया इस प्रकार लगभग सभी विद्यार्थियों को मानक बनाने के लिए दिए गए थे और सभी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया भारतीय मानक ब्यूरो के रिसोर्स पर्सनऔर पर्यवेक्षक नीरज शर्मा को स्कूल के प्रधानाचार्य सतीश चंद्र अग्रवाल ने मोमेंट देकर सम्मानित किया और प्रधानाचार्य , राजीव वर्मा , और धर्मवीर सिंह को भी भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया सभी बच्चों ने बड़ी उत्साह के साथ भारतीय मानक ब्यूरो के सिद्धांतों को समझा और भारतीय मानक ब्यूरो का ऐप डाउनलोड किया जिसमें आप अपनी खाद्य वस्तुओं और अन्य उत्पादों का मानक की पहचान कर सकते हैं औरउत्पाद की गुणवत्ता में कमी होने पर शिकायत भी कर सकते हैं अध्यापकों राजीव वर्मा और स्कूल के प्रधानाचार्य सतीश चंद्र अग्रवालने भी बताया कि हमारा स्कूल भी भारतीय मानक ब्यूरो में रजिस्टर्ड हो गया है और आगे की सभी एक्टिविटी के लिए हम अपने विद्यार्थी को तैयार करेंगेऔर इस एक्टिविटी से भी से बच्चों ने बहुत कुछ सीखा भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद की रिसोर्स पर्सन ने ने मोदी कॉलेज के सभी छात्रों की बहुत प्रशंसा की औरआशीर्वाद दिया कि वे जीवन में इस प्रकार मेहनत करके आगे बढ़ते रहें और आगे होने वाली सभी एक्टिविटी के लिए भी उन्होंने बच्चों को तैयार रहने के लिए कहा।

नींव द स्कूल में ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। 'नींव द स्कूल', में रविवार को यूडुपी स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। नींव द स्कूल इस बात से भली भांति अवगत है कि आजकल शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को खेल कूद में जैसे जूडो कराटे ,ताइक्वांडो ,कबड्डी क्रिकेट व आदि खेलकूद भी आवश्यक है। छात्रों की खेलकूद व ताइक्वांडो में रुचि जागरूक करने व उनका मनोबल प्रोत्साहन हेतु इस ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं में ताइक्वांडो चैंपियनशिप को लेकर एक अद्भुत उत्साह देखने को मिलो इस ताइक्वांडो चैंपियनशिप में आसपास के विद्यालयों एवं विभिन्न जिलों से विद्यालयों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर नींव द स्कूल के प्रबंधक अमित अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल डॉ अपर्णा शर्मा, एवं वाइस प्रिंसिपल रोमी शर्मा भी बच्चों के प्रोत्साहन हेतु उपस्थित रहे । अंत में छात्र-छात्राओं को गोल्ड, सिल्वर, व कांस्य पदक के साथ सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में नींव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य हेतु 'नींव द स्कूल ' निरंतर हर प्रकार का प्रयास करता रहा है और आगे भी करेगा।

आईटीएस कालेज ऑफ फामेर्सी में सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादनगर। आई0टी0एस कालेज ऑफ फामेर्सी में दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारम्भ निदेशक डॉ0 एस.सदीश कुमार ने किया तथा सभी टीमों को खेल भावना से इस मीट में भाग लेने की शपथ दिलाई।

मुख्यातिथि कॉमन वेल्थ गेम - 2022 के सिल्वर पदक विजेता नवनीत सिंह तथा खौ-खौ फैडरेशन ऑफ इंडिया के टेक्निकल एडवाइजर डॉ0 अरुण त्यागी ने कहा कि हमें जीवन में खेलकूद व शिक्षा का संतुलन बनाते हुए दृढ़ निश्चय व स्थिरता से आगे बढ़ना चाहिए। खेलकूद व फामेर्सी का एक अटूट बन्धन है। एक अच्छे खिलाड़ी को हार जीत मायने नहीं रखती है। उसे जीवन में कभी भी अपने कर्म को मध्य में छोड़ना नहीं चाहिए।

डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने कहा कि शिक्षा का सार किताबों से मिलता है जबकि स्पोर्टस से हमें केवल पदक ही नहीं मिलता अपितु यह हमें अनुशासन, स्वस्थ शरीर व इनोवेशन आदि विभिन्न आयामों में विकसित करता है। प्रतियोगिता में कॉलेज के डी0 फार्मा, बी0 फार्मा एवं एम0 फार्मा पाठ्यक्रम के लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दौड़, क्रिकेट, टग ऑफ वार, वॉलीबॉल, शॉर्ट पुट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गायन, नृत्य एवं वादन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने समस्त अध्यापक गण एवं छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की और उज्जवल भविष्य करते हुए कहा कि मजबूत राष्ट्र के लिए युवओं को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रुप से सशक्त बनाने में खेल कूद का बहुत बडा योगदान है।

डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने अतिथिगणों का स्वागत किया एवं उन्हे स्मृति चिन्ह भेट किए तथा मुख्य अतिथि ने सभी विजेताओं को बधाई दी और पुरस्कार प्रदान कर उनके मनोबल बढाया।इस अवसर पर डॉ0 राजकुमारी (डीन), डॉ0 मनोज कुमार शर्मा, गौरव चौधरी, चैतन्य विनायक, शुभ दीप यादव, भूमिका चौहान, उज्जवल भारती एवं गौरव आदि उपस्थित रहे।

दयावती मोदी पब्लिक एकेडमी का 25वां वार्षिकोत्सव व खेल दिवस समारोह का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। दयावती मोदी पब्लिक अकादमी का 25वां वार्षिकोउत्सव व खेल दिवस समारोह दिनांक 11 व 12 दिसंबर 2024 को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर(मोदी मंदिर) के प्रांगण में आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोङ्ख जॉर्डन कुक एवं विशिष्ट अतिथि उनके सहयोगी प्रोङ्ख त्रिशना रेहान, प्रोङ्ख लूका गारिनो एवं बेन विलियम्स(फैकेल्टी रॉयल ड्राइंग स्कूल लंदन) थे` यह सभी विदेशी शिक्षण अध्यापन हेतु इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स मोदीनगर मैं आए हुए हैं । सर्वप्रथम स्कूल की प्रिंसिपल हेमा अरोड़ा व अध्यापिकाओं ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को भारतीय रिवाज के तहत उनका टीकाकरण कर माला पहनकर स्वागत कियो कार्यक्रम का संचालन सीनियर शिक्षिका अलका चौधरी द्वारा किया गया ।विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का सुंदर प्रदर्शन किया और उसमें प्रत्येक कक्षा के छात्र-छात्राओं ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया । समारोह के दूसरे दिन 12 दिसंबर को स्कूल के बच्चों ने विदेशी कलाकारों के सामने विभिन्न आकर्षक परिधान पहनकर विभिन्न प्रकार के मंत्र मुग्ध करने वाले रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रमों छटा बिखरी जिसमें सपने रे सपने (बाल नृत्य) , विभिन्न राज्यों की वेशभूषा, कव्वाली गुजराती नृत्य(बूमपड़ी) , वाद्य गायन प्रस्तुति , आईना -ए-इतिहास(नृत्य प्रस्तुति) , द्रोपती चीर हरण(महाभारत का हृदय - विदारक प्रसंग प्रस्तुति) , हनुमान चालीसा के पवित्र छंदों से नृत्य प्रस्तुति) सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति किए गए । शिक्षिका अलका चौधरी की शानदार एंकरिंग एवं नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साह बढ़ाने के लिए बच्चों के माता-पिता अभिभावक द्वारा तालियो की गर्गाहट से बच्चों का मनोबल बढ़ाया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सभी विजेता छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। स्कूल की कोऑर्डिनेटर अर्चना शर्मा ने कार्यक्रम में आने वाले आगुंतक, बच्चों के माता-पिता, अभिभावक सभी का अभिवादन किया और उन्होंने बताया इस समारोह का आयोजन आभा मोदी व सतीश कुमार मोदी के दिशा निर्देशन में किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रिंसिपल हेमा अरोड़ा व समस्त अध्यापिकाओं व समस्त कर्मचारियों का सहयोग रहा इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के लच्छीराम, आलोक सिंघल, हरीश कुमार , डॉ संघर्ष शर्मा, भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, प्रदीप कुमार, जितेंद्र चौधरी, आभा गुप्ता, जितेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।